रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, मंगलवार 07 जनवरी 2025, वर्ष 10, अंक 355 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

56.62 लाख महिलाओं के खाते में सम्मान राशिः सीएम हेमंत सोरेन ने ट्रांसफर किए 11415.44 करोड़ रुपए

रांची बहुचर्चित मंईयां सम्मान योजना की बढ़ी राशि 2500 रुपए राज्य के 56 लाख 61 हजार 791 महिलाओं के खाते में डीबीटी के माध्यम से भेजा गया। नामकुम के खोजा टोली स्थित आर्मी ग्राउंड ऐतिहासिक समारोह का गवाह बना। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लाभुकों के खातों में पैसे ट्रांसफर किए। कार्यक्रम में सीएम हेमंत सोरेन पत्नी कल्पना सोरेन के साथ कार्यक्रम में पहुंची। इस कार्यक्रम में पूरा हेमंत सोरेन कैबिनेट मंच पर मौजूद रहा।

इस दौरान सीएम हेमंत सोरेन ने राज्य भर के लाभुकों के बीच 11415.44 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए। इस क्रम में कोल्हान के लिए 173.38 करोड़, संथाल प्रमंडल के लिए 320.97 करोड़, पलामू प्रमंडल के लिए 190.01 करोड़, दक्षिणी छोटानागपुर के लिए 230.35 करोड़ और उत्तरी छोटानागपुर के लिए 500.81 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए।

दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम की शुरुआत में वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने योजना के लाभ से लोगों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि इस मंईयां योजना से राज्य की महिलाएं सशक्त होंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के मुंह में केवल राम है। कहा कि भाजपा सरकार ने राज्य में जेंडर बजट लागू किया था। उसके लिए छह

हजार करोड़ निर्धारित किए गए थे। भाजपा बताएगी कि उस पैसे का क्या हुआ। उन्होंने भाजपा सरकार के समय में कामकाजी महिलाओं के लिए जिलों में बनाए जाने वाले छात्रावास को लेकर भी सवाल उठाए।

मंईयां सम्मान योजना के लिए पैसे की कमी नहीं वित्त विभाग के प्रधान सचिव प्रशांत कुमार ने बताया कि झारखंड में 1 लाख 28 हजार करोड़ का बजट है। जिसमें 48 हजार करोड़ का स्थापना बजट है। ऐसे में राज्य सरकार के पास बजट की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि मंईयां सम्मान योजना के तहत आनेवाली बजट की स्थिति काफी अच्छी है। 80 हजार करोड़ के स्कीम बजट में से 15 हजार करोड़ राशि मंईयां सम्मान योजना को दी जा रही है। स्कीम के लिए अब भी सरकार के पास 65 हजार करोड़ रुपए मौजूद है। भारत सरकार भी इस बात को लेकर प्रयासरत है कि राज्य का राजस्व कैसे बढ़े। उम्मीद है कि आने वाले वित्तीय वर्ष में झारखंड का राजस्व 10 से 15 हजार करोड रुपए बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि स्कीम के तहत होने वाले खर्च करने के मामले में झारखंड गिने-चुने राज्यों में शामिल है। जहां हर साल 10% से अधिक कैपिटल पर खर्च हो रहे हैं। कैपिटल खर्च करने में झारखंड आगे है। केंद्र सरकार से झारखंड को 450 करोड़ रुपए इंसेंटिव राशि भी मिलती है। **ट्रैफिक रूट में किया गया बदलाव** आज होने वाले राज्यस्तरीय कार्यक्रम को देखते हुए ट्रैफिक रूट में भी बदलाव किया गया है।

शेख हसीना को 12 फरवरी तक गिरफ्तार करें': बांग्लादेश कोर्ट

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना सेना और प्रदर्शनकारियों के बढ़ते दबाव के बीच इस्तीफा देने के बाद भारत चली गई थीं, जिसके बाद से वे अपने देश में वांछित हैं। सोमवार को उनके शासन के दौरान जबरन गायब किए जाने के आरोप में उनके खिलाफ दूसरा गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। वारंट बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (ICT) द्वारा जारी किया गया है। डेली स्टार के अनुसार न्यायाधिकरण ने अधिकारियों को शेख हसीना और अन्य को 12 फरवरी से पहले गिरफ्तार करने और पेश करने का आदेश दिया।

चीन में फैले कोरोना जैसे वायरस HMPV का भारत में तीसरा केस मिला

बेंगलुरु सोशल मीडिया पर चीन के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि ये भीड़ HMPV वायरस से संक्रमित लोगों की है। चीन में फैले कोरोना जैसे वायरस HMPV का भारत में तीसरा केस मिला है। अहमदाबाद में सोमवार को 2 महीने के बच्चे में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV) का संक्रमण मिला।

इससे पहले, सोमवार सुबह कर्नाटक में 3 महीने की बच्ची और 8 महीने के बच्चे में यह वायरस मिला था। दोनों बच्चों की जांच बेंगलुरु के एक अस्पताल में की गई थी। **गुजरात का बच्चा पहले से बीमार, कर्नाटक में रुटीन जांच में वायरस मिला** गुजरात के अहमदाबाद में 2 महीने के बच्चे को तबीयत खराब होने पर 15 दिन पहले हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया था। उसे बच्चे को सर्दी और तेज बुखार था। शुरुआती 5 दिन उसे तक वेंटिलेटर पर भी रखा गया था। इसके बाद हुई जांचों में वायरस के संक्रमण का पता चला।

कर्नाटक के दोनों केस के बारे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि बच्चे रुटीन जांच के लिए अस्पताल पहुंचे थे। टेस्ट कराने पर उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। हालांकि कर्नाटक के स्वास्थ्य विभाग ने साफ किया कि बच्चों के सैंपल निजी अस्पताल में जांचे गए और उन्होंने सरकारी लैब में जांच नहीं कराई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कर्नाटक में दो बच्चों में HMPV संक्रमण की जानकारी दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कर्नाटक में दो बच्चों में HMPV संक्रमण की जानकारी दी है।

वायरस के लक्षण कोविड जैसे, छोटे बच्चों पर सबसे ज्यादा असर HMPV वायरस से संक्रमित होने पर मरीजों में सर्दी और कोविड-19 जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर छोटे बच्चों पर देखा जा रहा है। इनमें 2 साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा, दो बच्चों में वायरस की पुष्टि हुई है। ये देखकर मैंने तुरंत कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव से बात की। सरकार इस वायरस को खत्म करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा, यह कोई वायरस नहीं है।

HMPV कोई नया वायरस नहीं': स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा

नई दिल्ली।देश में एचएमपीवी वायरस के कई मामले सामने आ चुके हैं। इस वायरस से इस समय चीन में तबाही मची हुई है, भारत में भी मामले सामने आने पर लोगों में खौफ दिखने लगा था, जिसके बाद सरकार ने इस वायरस को लेकर लोगों से चिंता नहीं करने के लिए कहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने एचएमपीवी (HMPV) के रूप में सामने आए नए वायरस को लेकर कहा कि यह कोई नया वायरस नहीं है, बल्कि पुराना है, पहले भी इसके मामले सामने आते रहे हैं, इससे घबराने की जरूरत नहीं है। इस वायरस से पीड़ित रोगी जल्द ही ठीक हो जाता है। भारत चीन समेत अपने सभी पड़ोसी देशों की स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

दो बार JDU वाले गलती से इधर-उधर कर दिए थे, लेकिन अब नहीं होगा।'

नीतीश बोले- अटल जी ने मुझे सीएम बनाया थाः लालू के ऑफर पर कहा- मैं क्यों इधर-उधर जाऊंगा

हाजीपुर (वैशाली) CM नीतीश कुमार ने सोमवार को फिर से लालू के ऑफर का जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि 'पटना में जो लोग बात कर रहे हैं, उनसे हमको क्या लेना-देना है। हम दो बार गलती से इधर-उधर चले गए थे। हमको बनाने वाले अटल जी हैं। उन्होंने बहुत सम्मान दिया। मुझे CM बनाया। NDA में जो सम्मान मिला, उसके बाद वापस जाने का कोई सवाल ही नहीं बनता है। दो बार JDU वाले गलती से इधर-उधर कर दिए थे, लेकिन अब नहीं होगा।' नीतीश कुमार ने वैशाली में प्रगति यात्रा के दौरान ये बातें कही। इस इस दौरान उन्होंने 350 योजनाओं का उद्घाटन-शिलान्यास किया। इसकी कुल राशि करीब 278 करोड़ रुपए है।

लालू ने CM नीतीश को दिया था ऑफर 2025 का पहला दिन, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के एक बयान ने सर्दी में राजनीतिक गर्मी बढ़ा दी। लालू ने न्यू ईयर में नीतीश को अपने साथ आने का ऑफर दिया। कहा- साथ आएं, मिलकर काम करें। हालांकि, पिछले 36 घंटे में सीएम नीतीश कुमार ने लालू प्रसाद के ऑफर को 3 बार ठुकराया। वैशाली से पहले शनिवार को पहली बार गोपालगंज में और रविवार को दूसरी बार मुजफ्फरपुर में। सीएम नीतीश ने कहा कि '2 बार हमको गलती से उन लोगों के साथ जोड़ दिया। वो लोग कोई काम किया है क्या। पहले बिहार में महिलाओं की ऐसी स्थिति थी क्या। मैंने ही जीविका नाम दिया। हमारी पहल के बाद केंद्र ने भी जीविका दीदी नाम रखा। हम घूमकर देखते हैं, कोई कमी है तो उसे पूरा करते हैं।' लालू के बयान के बाद तेजस्वी यादव सामने आए। उन्होंने राजद सुप्रीमो के बयान को यह कहकर खारिज कर दिया कि मीडिया को ठंडा करने के लिए लालू जी ने यह बयान दिया था। वो पहले भी नीतीश को साथ लाने पर कह चुके हैं कि सीएम अब थक चुके हैं। उनको साथ लाने का मतलब अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना होगा।

शपथ ग्रहण के दौरान नीतीश-तेजस्वी की तस्वीर सामने आई राजद सुप्रीमो ने एक जनवरी को नीतीश को ऑफर दिया। 2 जनवरी को राजभवन के राजेन्द्र मंडपम में बिहार के नवनियुक्त राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने शपथ ली। शपथ समारोह में सीएम नीतीश कुमार भी पहुंचे। राजेन्द्र मंडपम की पहली कतार में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी बैठे थे। तेजस्वी के पास सीएम नीतीश पहुंचे, कंधे पर हाथ रखा और मुस्कुराते हुए हाल चाल जाना। तेजस्वी ने भी पूरे भाव के साथ सीएम का अभिवादन किया। कुछ घंटों में यह तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी। नीतीश शपथ समारोह से बाहर निकले। मीडिया ने लालू के ऑफर पर रिएक्शन जानने की कोशिश की, लेकिन वो मुस्कुरा कर बात को टाल गए। राज्यपाल सामने आए और उन्होंने कहा कि आज शपथ का दिन है, राजनीतिक सवाल मत कीजिए।

सम्राट चौधरी- लालू यादव डरे हुए हैं। जो डर गया वो मर गया, उनको लगता है कि मेरा बेटा कैसे भी स्थापित हो जाए...बिहार की जनता तय करेगी कि बिहार की सत्ता में कौन बैठेगा। यहां नीतीश कुमार बैठे हुए हैं, इसलिए उनके नेतृत्व में NDA आगे चलेगा।

गिरिराज सिंह- लालू प्रसाद जी चुनाव हार चुके हैं। उन्होंने हार स्वीकार कर लिया है, इसलिए बाप बेटे दोनों मिलकर छक्का पंजा की चाल चल रहे हैं। नीतीश कुमार ने उनके मुंह पर करारा तमाचा लगाया है। मैं समझता हूं कि बिहार की जनता ने लालू जी को दिखा दिया है कि नीतीश कुमार के बाद जंगल राज नहीं चाहिए।

पीएम मोदी ने दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे हिस्से का उद्घाटन किया

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को साहिबाबाद और न्यू अशोक नगर के बीच दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर के 13 किलोमीटर लंबे हिस्से का उद्घाटन किया। इसके बाद पीएम ने क्यूआर कोड स्कैन कर ट्रेन का टिकट ले सफर भी किया। यह हिस्सा साहिबाबाद, गाजियाबाद से न्यू अशोक नगर तक है। इसके शुरू होने से मेरठ अब दिल्ली से सिर्फ 40 मिनट की दूरी पर है। नई अशोक नगर से मेरठ दक्षिण स्टेशन के बीच स्टैंडर्ड कोच का किराया 150 रुपये और प्रीमियम कोच का 225 रुपये है। यह 'नमो भारत' ट्रेन का पहला अंडरग्राउंड सेक्शन भी है। ट्रेनों में महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों के लिए आरक्षित सीटें हैं।*

केंद्र से झारखण्ड के 1.36 लाख बकाया को लेकर वित्त मंत्री राधाकृष्ण का बड़ा बयान

स्टेट ब्यूरो रांची। केंद्र सरकार से भीख नहीं अपना हक मांग रहे, बकाया राशि नहीं मिलेगी तो लीगल तौर पर आगे बढ़ेंगे : वित्त मंत्री केंद्र सरकार के समक्ष झारखंड के बकाया 1 लाख 36 हजार करोड़ के वापसी करने के संबंध में पूछे गए सवाल पर वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने कहा कि केंद्र सरकार के समक्ष बकाया राशि की मांग जायज है। और बार-बार हमने केंद्र सरकार को रोक-टोक किया। लेकिन हमारी मांगों पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने बताया कि साल 2022 में तत्कालीन मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने पहले भारत सरकार कैबिनेट मंत्रालय को एक पत्र लिखकर इस बाबत प्वाइंट आउट मांग रखी थी कि झारखंड के अलग-अलग सेक्टरों में केंद्र सरकार का कितनी राशि राज्य सरकार के समक्ष बकाया है। पत्र में झारखण्ड का केंद्र के समक्ष 1 लाख 36 हजार करोड़ बकाया होने की बातें कही गई थी। लेकिन इसका कोई जवाब नहीं आया। दूसरी बार साल 2023 में भी हेमंत सोरेन की सरकार ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर बकाया राशि भुगतान करने के बात कही थी। लेकिन दोनों ही सवालों का जवाब न देकर केंद्र की तरफ से एक पॉलिटिकल प्लेटफार्म जो

महान विधानसभा की सर्वोपरि संस्था है। उसपर बिहार के एक मंत्री के सवाल के आलोक में केंद्र ने जवाब दिया कि झारखण्ड सरकार का केंद्र के पास कोई बकाया राशि नहीं है। लेकिन अच्छा होता सार्वजनिक तौर पर केंद्र के जवाब देने के बजाए केंद्र सरकार, झारखंड की तरफ से भेजे गए पत्र का विभागीय जवाब देता। उन्होंने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार के बीच मधुर संबंध होने चाहिए। और उसी के तहत हमने अपनी मांगें रखी हैं। हम केंद्र सरकार से भीख नहीं अपना हक मांग रहे हैं। यदि केंद्र सरकार के पास जरा भी राजनीतिक सुचिता है। तो केंद्र सरकार हमारा पैसा वापस करें। नहीं तो लीगल तौर पर हम आगे जाएंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार एक बार में राशि भुगतान न कर तीन-चार किस्तों में भी झारखंड का बकाया राशि भुगतान कर सकता है। नहीं तो लीगल तौर पर आगे बढ़ने के रस्ते खुले हैं।

बैंकों में बिना दावे वाले 78,213 करोड़ रुपये बेकार पड़े हैं, जिन पर किसी का ध्यान नहीं जाता. नई दिल्ली। RBI द्वारा शेयर किए गए आंकड़ों पर गौर करें, मार्च 2024 तक देश के तमाम बैंकों में जमा अनक्लेम्ड डिपॉजिट 78213 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।*

वी ने "सुपरहीरो" एन्युअल रीचार्ज पोर्टफोलियो को बनाया मजबूत

रांचीः जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने हाल ही में उद्योग जगत के पहले प्रपोजिशन 'सुपरहीरो' का लॉन्च किया है, जो दोपहर 12 बजे से रात 12 बजे तक अनलिमिटेड डेटा का एक्सेस देता है। जिसे हाई स्पीड डेटा की बढ़ती ज़रूरत को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है। वे उपभोक्ता जो सालाना पैक या पैसा वसूल ऑफर्स चाहते हैं, उनके लिए वी लेकर आया है तीन सर्वश्रेष्ठ एन्युअल रीचार्ज। जो मंथली प्लान की तुलना में 25 फीसदी बचत के फायदे देते हैं, साथ ही साल भर बिना रूकावट मोबाइल डेटा और एंटरटेनमेन्ट का अनुभव भी प्रदान करते हैं। वी के एन्युअल रीचार्ज प्लान में दोपहर 12 बजे से रात 12 बजे तक अनलिमिटेड डेटा शामिल है, इसके अलावा दिन के शेष 12 घण्टे के लिए 2 जीबी डेली डेटा कोटा तो है ही। इतना ही नहीं, वी सुपरहीरो पैक वीकेंड डेटा रोलओवर के फायदे भी देता है, जिसके तहत यूज़र सप्ताह के दिनों में बचे हुए डेटा को कैरी फॉरवर्ड कर सप्ताहान्त के दौरान इसे इस्तेमाल कर सकता है। इसके अलावा ये प्लान डेटा डिलाइट फीचर के साथ एमरजेन्सी डेटा टॉप-अप के फायदे भी देते हैं, जो महीने में दो बार बिना किसी शर्त के 1 जीबी अतिरिक्त डेटा देता है। कुल मिलाकर इन ढेरों फायदों वाला वी का एन्युअल सुपर हीरो पैक बेजोड फायदे लेकर आया है। इन सभी फायदों के अलावा, यूज़र साल भर के लिए ओटीटी सब्सक्रिप्शन जैसे डिज़नी प्लस हॉटस्टार और एमजान प्राइम लाईट का लाभ भी उठा सकते हैं। मात्र रु 10 प्रति दिन की कीमत पर उपलब्ध वी के एन्युअल सुपरहीरो पैक 25 फीसदी बचत के फायदे देते हैं, अगर मंथली रीचार्ज से तुलना करें तो यह तकरीबन रु 1100 है। ऐसे में यह उन सभी उपभोक्ताओं के लिए पैसा वसूल ऑफर है, जो एकमात्र रीचार्ज के साथ बचत और सुविधा दोनों के फायदे चाहते हैं।

सैमसंग 2025 में एसी सेगमेंट में लॉन्च करेगा नए विंडफ्री मॉडल

रांचीः सैमसंग ने 2025 में एयर कंडीशनर के एक दर्जन से अधिक मॉडल लॉन्च करने की योजना बनाई है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार दक्षिण कोरिया की उपकरण बनाने वाली प्रमुख कंपनी अपने उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ाना चाहती है और भारत में रूम एसी सेगमेंट में एक पसंदीदा ब्रांड बनना चाहती है। सैमसंग के नए एसी मॉडल कंपनी के मालिकाना हक वाले बीस्पोक एआई समाधानों से पावर्ड होंगे और इसके द्वारा उन उपभोक्ताओं को लक्षित किया जाएगा जो प्रीमियम एसी खरीदना चाहते हैं। विश्लेषकों का कहना है कि रेफ्रिजरेटर और वॉशिंग मशीन की श्रेणियों में सैमसंग की बीस्पोक एआई रेंज के घरेलू उपकरणों को भारतीय बाजार में बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिला है और यह सैमसंग को रूम एयर कंडीशनर सेगमेंट में विस्तार करने के लिए एक मजबूत शुरुआत देता है। कंपनी की योजना से अवगत डीलरों ने कहा कि सैमसंग की नई एसी रेंज शक्तिशाली एयर कंडीशनर को लेकर उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करेगी। इस रेंज में तेज और आरामदायक कूलिंग, ऊर्जा की बचत, सहूलियत और ड्यूरैबिलिटी को खूबसूरती के साथ मिलाया गया है। भारतीय रूम एयर-कंडीशनर (आरएसी) उद्योग उल्लेखनीय विकास के लिए तैयार है और कई विश्लेषकों ने 2025 में बिक्री की मात्रा में 20 प्रतिषत से अधिक की वृद्धि का अनुमान लगाया है।

बजट पर आम जनता का सुझाव ले अच्छी बात मग़र बजट की राशि 100 प्रतिशत खर्च करना बड़ी बात

बजट पर आम जनता का सुझाव ले अच्छी बात मग़र बजट की राशि 100 प्रतिशत खर्च करना बड़ी बात, बजट की निर्धारित राशि पूर्ण रूप से कैसे खर्च हो इस पर मन्थन करे सरकार उपरोक्त बातें आज आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने आम जनता से बजट के लिए सुझाव आमंत्रित हेतु पोर्टल व मोबाइल एप मुख्य मंत्री द्वारा लांच करने पर कही । इन्होने आगे कहा कि जनता से सुझाव लेना अच्छी बात है मगर सुझाव को ज्यादा से ज्यादा बजट मे सम्मलित करना बहुत महत्वपूर्ण है ।पिछले वितिय वर्ष 2024-2025 मे सरकार को जनता की ओर से से 721 सुझाव प्राप्त हुए थे जिसमे मात्र 21 सुझाव को ही बजट मे शामिल किये गये जो सराहनीय नही है । नायक ने आगे कहा कि पूर्वर्ती भाजपा सरकार के द्वारा बजट की निर्धारित राशि को खर्च नही कर केंद्र सरकार को सरेंडर करने की निति जो अब झारखंड की परम्परा बन गई है और हेमंत सरकार भी वही निति पर चलने का कार्य कर रही है जिससे राज्य का सर्वांगीण चहँमुखी विकास नही हो पा रहा है जो दुखद पहलू है । इन्होने राज्य के मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन से इस निति और परम्परा से हट कर कार्य करने का सलाह देते हुए कहा कि वे ऐसा कार्य संस्कृति को डेवलप करे जिसमे 100 प्रतिशत बजट की राशि खर्च हो और इसके लिए सभी विभागों के प्रधान सचिवों को स्पष्ट निर्देश जारी करे की अगर कंडकित बजट की राशि पूर्ण रुप से खर्च नही किये जायेंगे तो उन विभागों के सचिवों पर विभागीय कार्रवाई कर उन्हे सनटींग पोस्ट पर पदस्थापित किये जायेगें तब ही पुरानी बजट की राशि नही खर्च करने की भाजपा की परम्परा को समाप्त किये जा सकेंगे । नायक ने यह भी बताया कि जल्द ही 17 जनवरी से पूर्व आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच की ओर से उन्हे बजट मे शामिल करने के लिए राज्यहित के लिए सुझाव भेजा जायेगा और उनसे अनुरोध भी किया जायेगा कि मंच के सुझावों को ज्यादा से ज्यादा सम्मलित करने का कार्य किया जाए ताकि राज्य का चहुँमखी समग्र विकास हो सके ।

झारखंड में ठंड और कोहरे का डबल अटैक, जानिए आज मौसम का हाल

रांची : झारखंड में ठंड का असर धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। खासकर सुबह के समय कोहरा और कनकनी का सामना करना पड़ रहा है। इस मौसम में तापमान में गिरावट आने से शीतलहर का प्रभाव भी बढ़ने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आने वाले एक सप्ताह में राज्य के तापमान में और गिरावट हो सकती है, जिससे ठंड और बढ़ेगी। बता दें कि झारखंड के सभी जिलों में औसतन न्यूनतम तापमान 13.06 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 19.61 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इसके साथ ही आस्मान में बादल छाए रहने की संभावना भी जताई जा रही है। आने वाले एक सप्ताह में तापमान में और गिरावट देखने को मिल सकता है। राज्य में ठंड के प्रभाव से लोग गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आ रहे हैं। शीतलहर के बढ़ने से विभिन्न इलाकों में ठंडी हवा का असर दिखाई दे रहा है, जिससे लोगों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है। खासकर वाहन चालकों को सुबह और शाम के समय में कोहरे के कारण सर्तक रहने की सलाह दी जा रही है। मौसम विभाग ने इसे लेकर कई जिलों में अलर्ट जारी किया है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंईयां योजना के तहत लाखों महिलाओं के खाते में भेजे 1415.44 करोड़ रुपये

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत महिलाओं के खाते में 1415.44 करोड़ रुपये हस्तांतरित किये। 56 लाख 61 हजार 791 महिलाओं के अकाउंट में 2500 रुपये भेजे गए। इस योजना के तहत एक साल में 30 हजार रुपये 18 से 50 साल तक की महिलाओं के खाते में दिये जाएंगे।

महिलाओं के बीच सम्मान राशि हस्तांतरित करने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने महिलाओं को संबोधित करते हुए विपक्ष पर जमकर हमला बोला। उन्होने कहा कि जब हमने झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत 1000 रुपया देने की घोषणा कर दी तो हमारे विरोधी हमारा मजाक उड़ाते थे, कहते थे कि इतना पैसा कहां से लाएंगे। इसके बाद जब हमने 1000 रुपये की राशि को बढ़ाकर 2500 रुपया करने की घोषणा कर दी तो फिर वो मेरा मजाक उड़ाने हुए मुझे चुनौती दी कि कहां से रुपयां लाएंगे। उन्होने भी एक झूठा वादा रखा जिसमें 1100 रुपया देने की बातें कही। हमसे बातचीत में वो हमें बोलते थे कि चुनाव हो जाने दीजिये फिर देखेंगे कि रुपया महिलाओं को देंगे कि नहीं देंगे। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि हमने चुनाव में किया गया अपना पहला वादा पूरा किया है। राज्य क्या देश की कोई भी पार्टी अगर महिलाओं को नजरअंदाज करेगी तो कभी सत्ता में नहीं आ पाएगी। हम महिलाओं से अपील करते है कि वो अपना समूह चलाते है वो इस समूह में 50 या 100 रुपया कि जगह 500 या 1000 रुपया जमा करें और खुद को आर्थिक रूप से सबल करें। अपना और अपने बच्चों की जरूरतों को इस पैसे से वो पूरा करें। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अलग अलग कई महिलाओं से बात करके उनसे इन रुपयों की उपयोगिता के बारे में पूछा और सलाह दी कि इस रुपये को सही काम में खर्च करें। वादे के मुताबिक आज हजारों करोड़ रुपयों की सम्मान राशि मेरी बहनों के खाते में पहुंची है।लेकिन के इस भौतिकवादी युग में यह अभी भी चिंता का विषय है कि देश की आजादी के बाद कई नियम-नीतियां बनीं लेकिन न गरीबी दूर हुई और ना ही महिलाओं का सशक्तिकरण ही हो पाया। देश की आधी आबादी तो हमेशा पिछड़ा रहने को विवश हुई। एक तरफ हम भारत को विश्व गुरु बनाने और ऊंचाई पर ले जाने का संकल्प लेते हैं और दूसरी तरफ आधी आबादी को दरकिनार करते हैं। जब इस देश की आधी आबादी विकास से कोसों दूर हो तो देश और राज्य कैसे विकास कर सकता है?

यूको बैंक ने 83वां स्थापना दिवस मनाया

रांचीः यूको बैंक ने अपना छह जनवरी को 83वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर देशभर में यूको बैंक द्वारा कई कार्यक्रम आयोजित किए गए । इसी क्रम में यूको बैंक, अंचल कार्यालय रांची द्वारा भूसुर - लालखटंगा अवस्थित बाल आश्रय गृह, आशा सेंटर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व कार्यक्रम के अंतर्गत यूको बैंक ने आशा सेंटर को खाद्य सामग्री, दैनांदिन उपयोग की वस्तुएं एवं खेल-सामग्री उपहार के रुप में दिया। इस अवसर पर यूको बैंक अंचल कार्यालय रांची से अंचल प्रबंधक भावना सिन्हा और यूको बैंक के अधिकारीगण पवन कुमार भारती, हरिचंद मुर्मू, दीपक कुमार सिंह, अरुण कुमार, अमित कुमार और कुमार मृणाल उपस्थित थे। अंचल प्रबंधक ने बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुति की प्रशंसा की उन्होंने इस बाल आश्रय गृह में रहने वाली तथा राष्ट्रीय जूनियर स्तर पर फुटबॉल में नाम रोशन करने वाली बच्चियों का विशेष रुप से हौसला बढ़ाया तथा अन्य बच्चों को उनका अनुसरण करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यूको बैंक अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति हमेशा से गंभीर रहा है। हम इस प्रकार के कार्यक्रम आगे भी आयोजित करते रहेंगे।

11 से 25 जनवरी 2025 तक संविधान गौरव अभियान

मंडल स्तर तक बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर के लक्ष्य और संघर्ष को बताने केलिए पार्टी आयोजित करेगी कई कार्यक्रम

कांग्रेस पार्टी ने लगातार किया संविधान निर्माता बाबा साहब भीम राव अंबेडकर का अपमान ....अमर कुमार बाउरी

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं झारखंड विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने आज प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में भाजपा द्वारा आगामी 11से 25जनवरी तक चलने वाले संविधान गौरव अभियान की जानकारी दी। श्री बाउरी को पार्टी ने अभियान का प्रदेश संयोजक बनाया है। साथ ही प्रदेश मंत्री नन्द जी प्रसाद एवं वरिष्ठ नेता राकेश भास्कर इस अभियान के सह संयोजक बनाए गए हैं।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए श्री बाउरी ने कहा कि देश के आम जनता तक बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के संघर्ष संविधान निर्माण और कांग्रेस के द्वारा किए गए उनके साथ छल को लेकर जिला मंडल तक आम जनता को जागरूक करने का काम भारतीय जनता पार्टी 11 जनवरी 2025 से 25 जनवरी 2025 तक करेगी इस अभियान को भारतीय जनता पार्टी ने संविधान गौरव अभियान का नाम दिया है।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के संविधान का ही यह फल है कि आज सर्वोच्च पायदान पर देश की एक आदिवासी महिला विराजमान है वही चाय बेचने वाले एक व्यक्ति प्रधानमंत्री के रूप में जन सेवा कर रहे हैं। भारत को महान बनाने में संविधान का महत्वपूर्ण भूमिका रही है। लेकिन आज भी बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के विचार समाज के बीच नही गया है। भारतीय जनता पार्टी बाबा साहब के लक्ष्य को देश के अंतिम पायदान तक पहुंचाने का क इस अभियान के माध्यम से करेगी।

कहा कि संविधान निर्माण के समय की सभी घटनाओं की जानकारी देश की जनता होना चाहिए उन्होंने कहा कि संविधान निर्माण के समय कांग्रेस ने धर्म आधारित आरक्षण पर जोर दिया था लेकिन बाबा साहब देश के हर नागरिक को ,प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार दिया।

कहा कि आज बाबा साहब के नाम पर राजनीति करने वाली कांग्रेस ने जवाहरलाल नेहरू ,इंदिरा गांधी को उनके जीवित समय में ही भारत रत्न की उपाधि दे दी लेकिन बाबा साहब को इस उपाधि से वंचित रखा वही मरणोपरांत उन्हें नई दिल्ली में दो गज जमीन में नसीब नहीं होने दी।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब कश्मीर में धारा 370 का भी विरोध किया था। ऐसी कई घटनाएं हैं जो आम जनता के बीच जानी चाहिए इसलिए भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में मंडल स्तर तक जाकर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के उन सभी अनुच्छेद उनके लक्ष्य और उनके नीति सिद्धांतों को बताने का काम करेगी।

उन्होंने कहा कि बाबा साहब के नाम उन्हें सम्मान देना और सम्मान देने का दिखावा करना में जमीन आसमान का अंतर होता है भारतीय जनता पार्टी में बाबा साहब को अपने कार्यकाल में भारत रत्न देकर उन्हें सम्मान दिया है। रांची।मईयां योजना पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 56 लाख से अधिक लोगों के खाते में मईंया योजना का लाभ दिया है। लेकिन इसकी एक बड़ी कीमत जनता को चुकानी पड़ रही है। राज्य के वृद्ध, विधवा, दिव्यांग को मिलने वाले पैसे उनके खाते में नही जा रहे है। सरकार को इस मामले पर खेद प्रकट करना चाहिए। इस बार के अनुपूरक बजट में एक विभाग को मात्र 2100 रुपया ही दिया है। राजनीतिक हनक को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री यदि सारी सिस्टम को बैठा दें तो इसका नुकसान पूरे राज्य को भुगतना होगा। 450 रुपये में गैस सिलिंडर देने के मामले मैं उन्होंने कहा कि कांग्रेस और जेएमएम का अपने वादे से मुकर जाना कोई नई बात नही है। पंचम विधानसभा में मंत्री ने कहा था कि घोषणा पत्र घोषणा ही होती है। कांग्रेस और जेएमएम के घोषणा पत्र में 450 रुपया में सिलिंडर देने की बात कही गयी है।

प्रेसवार्ता में प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपूजन पाठक ,प्रदेश प्रवक्ता अमित कुमार मंडल, राफिया नाज भी उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने 450 रुपए में गैस सिलेंडर–मुफ्त बिजली देने के चुनावी वादों से मारी पलटी, भाजपा ने साधा निशाना कहा धोखा देना

रांची/झारखण्ड। कांग्रेस द्वारा झारखण्ड विधानसभा चुनाव 2024 में आमजनों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर और 250 यूनिट बिजली बिल माफ करने के बाबत की गई चुनावी घोषणा पर फिलहाल कोई अमल नहीं होगा। गैस सिलेंडर और बिजली बिल माफ करने के बाबत पूछे सवाल पर झारखण्ड के वित्त मंत्री सह कांग्रेस विधायक राधा कृष्ण किशोर ने स्पष्ट तौर पर मीडिया से ही पूछा आखिर यह किसकी घोषणा थी? इसके बाद उन्होंने कहा यह इंडिया गठबंधन की राजनीतिक दल कांग्रेस पार्टी की घोषणा थी। और वे खुद कांग्रेस पार्टी का ही एक सदस्य हैं।

उन्होंने कहा कि हर राजनीतिक दल को इस बात की स्वतंत्रता होती है कि वह अपने उद्देश्यों और योजनाओं के बारे में बातें रखें। लेकिन जबतक इंडिया गठबंधन के प्लेटफार्म पर डिसाइड नहीं होता है। तबतक यह नहीं कर सकते कि इंडिया गठबंधन का एश्योरेंस था। मंत्री के इस बयान ने एक बार फिर राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी। विपक्ष ने इस पर निशाना साधा है।

उधर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि कांग्रेस और इंडिया गंठबंधन ने राज्यवासियों को धोखे में रखकर अपनी लुल्ली चुप्पी बातों में फंसाया। और वोट लेने का काम किया है। लेकिन झूठ का सहारा ज्यादा दिनों तक टिक नहीं सकता इसलिए इनकी कलई खुल रही है। उन्होंने कहा कि जनता के साथ धोखेबाजी करना कांग्रेस की पुरानी फितरत है। इसलिए ठगबंधन के हेमन्त सरकार में शामिल वित्तमंत्री सह कांग्रेस के वरिष्ठ लीडर और झामुमो दोनों ने 450 रुपए में गैस सिलिंडर देने के वादे को अब नकार रही है।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ असम के दौरे पर

रांचीः केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ दो दिवसीय असम दौरे पर आज असम के विभिन्न संस्थाओं का दौरा कर पूर्वोत्तर के विकास कार्य को देखा। इस अवसर पर श्री सेठ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री हेमंता बिस्व शर्मा के नेतृत्व में असम रोजगार सृजन में भी कीर्तिमान बना रहा है। आज बजाली के पाताचारकुची अनुमंडल में दूध उत्पादक डेयरी किसान श्रीमती जूना तामुली बर्मन से मिला, उनके फार्म का भी अवलोकन किया। इनके उद्यम कौशल को लेकर पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार द्वारा इन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। जूना तामुली डेयरी फार्म के साथ-साथ मत्स्य पालन तालाब का भी रखरखाव करती हैं। यह सुखद लगता है कि छोटे शहरों की महिला किसान भी सरकारी योजनाओं का लाभ उठा रही हैं। अपनी आजीविका में सुधार कर रही हैं। श्रीमती बर्मन सभी महिला किसानों के लिए प्रेरणा हैं। असम के बजाली में मॉडल आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया यह आंगनबाड़ी केंद्र आधुनिक प्ले स्कूल है जो वहां के बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास की दृष्टि से हर सुविधा से सुसज्जित है ।साथ ही असम में तपोवन स्पेशल स्कूल का अवलोकन कर बच्चों के संग संवाद किया वहां की शिक्षा प्रणाली से अवगत हुए साथ ही बजाली जिले के अधिकारियों के साथ भारत सरकार की विकास योजनाओं की समीक्षा की वहां के अनुमंडल सिविल अस्पताल का निरीक्षण किया यहां नवजात शिशुओं को आधार कार्ड जारी करने की अच्छी व्यवस्था है जन्म प्रमाण पत्र के साथ ही आधार कार्ड भी दिए जाते हैं श्री सेठ ने कहा आज पूर्वोत्तर राज्य में विकास की गंगा बह रही है जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सफल नेतृत्व का यह परिणाम है।

केबीसी 16 में धनबाद के प्रतियोगी कौशलेंद्र ने बीग बी से जुड़ी एक कहानी साझा की

रांचीः सोमवार को सोनी टीवी के लोकप्रिय ज्ञान-आधारित गेम शो में धनबाद, झारखंड के प्रतियोगी कौशलेंद्र प्रताप सिंह से होंगे। सरकार और कोयला खरीदारों के बीच मध्यस्थ के रूप में काम करने वाले बीग बी के साथ एक दिलचस्प कहानी साझा करते हुए कहा, "कोयले की बात करें तो, मुझे याद है कि आपने झरिया चासनाला आपदा के बाद काला पत्थर की शूटिंग की थी। वह आपदा आज भी कई लोगों को याद है।" उन्होंने आगे बताया कि यह घटना एक बांध के टूटने के कारण हुई थी, और शूटिंग के दौरान अमिताभ बच्चन पर दूषित पानी पड़ गया था, जिससे उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ा था। इसके बावजूद, बच्चन ने बिना ब्रेक लिए शूटिंग जारी रखी, और असाधारण समर्पण और दृढ़ता का प्रदर्शन किया। कौशलेंद्र ने बताया कि आपके पिता हरिवंश राय बच्चन ने इस घटना के बारे में एक किताब में लिखा था जिसमें हरिवंश राय बच्चन ने बहुत खूबसूरती से लिखा था, "मुझे लगता है कि मुझे सत्य की ज़रूरत है, और अमिताभ को दीर्घायु की।

रांची । मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में उपायुक्त पाकुड़ मनीष कुमार ने मुलाकात कर उन्हें नव वर्ष 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर मुख्यमंत्री ने भी उन्हें अपनी ओर से नूतन वर्ष की मंगलकामनाएं दी।

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीयकार्यालयमेंमंत्री, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षणएवंकौशलविकासविभागश् संजय प्रसाद यादव ने मुलाकात कर उन्हें नव वर्ष 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भी उन्हें नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई एवं मंगलमय जीवन की शुभकामनाएं दी।*

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पुलिस अधीक्षक पाकुड़ श्री प्रभात कुमार ने मुलाकात कर उन्हें नव वर्ष 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मौके पर मुख्यमंत्री ने भी उन्हें अपनी ओर से नूतन वर्ष की मंगलकामनाएं दी।*

रांची।मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में विधायक भूषण बाड़ा ने मुलाकात कर उन्हें नव वर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री ने भी अपनी ओर से उन्हें नूतन वर्ष की हार्दिक बधाई एवं मंगलमय जीवन के लिए शुभकामनाएं दी।

उत्तराखंड से रांची आए खिलाड़ियों के साथ मारपीट, कई युवकों ने होटल रॉयल पर किया पथराव

झारखंड न्यूजलाइन। रांची : रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र स्थित कडरू ओवर ब्रिज के नीचे रविवार रात करीब 10:15 बजे होटल रॉयल पर कुछ मनचले युवकों ने पथराव कर दिया। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, और सभी को खदेड़ कर भगाया। जानकारी के अनुसार, उत्तराखंड से कुछ युवक रांची मैच खेलने के लिए आए हुए हैं। वे सभी होटल रॉयल में रूम लेकर ठहरे थे। इनमें से एक दूध लेने के लिए बाहर बस्ती में गया हुआ था। इतने में वहां कुछ युवकों ने उसके साथ मारपीट कर दी। होटल में ठहरे अन्य खिलाड़ी अपने साथी को बचाने के लिए गए। वहां युवकों ने सभी के साथ मारपीट किया। जान बचाकर सभी युवक भाग कर होटल आ गए। हु इस देर के बाद स्थानीय 40-50 की संख्या में स्थानीय युवक होटल के बाहर पहुंचे। होटल कर्मियों के साथ धक्का मुक्की की। होटल पर पथराव भी किया।

कर्मियों ने दी पुलिस को सूचना इसकी सूचना कर्मियों ने पुलिस को दी। इसके बाद मौके पर हटिया डीएसपी, अरगोड़ा थाना प्रभारी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। होटल के पास जमे लोगों को खदेड़ कर भगाया। कर्मियों से ली मामले की पूरी जानकारी थाना प्रभारी ने होटल कर्मियों से मामले की पूरी जानकारी ली। खिलाड़ियों से भी बातचीत की। खिलाड़ियों के वार्डन ने बताया उत्तराखंड से कुछ खिलाड़ी मैच खेलने हुए रांची आए हुए हैं। रविवार शाम इनमें से एक दूध लेने के लिए बस्ती की ओर गया था। वहां कुछ

युवकों ने उसके साथ मारपीट की। बचाने गए अन्य खिलाड़ियों के साथ भी मारपीट की गई। सभी खिलाड़ी जान बचाकर वापस भाग कर होटल आ गए। इसके बाद स्थानीय लोगों ने होटल पर आकर हंगामा किया। सभी खिलाड़ियों को बाहर निकालने के लिए होटल कर्मियों से धक्का मुक्की की। खिलाड़ियों का कहना है कि वह युवक किसी दूसरे की तलाश कर रहे थे। उक्त युवक समझकर सभी ने मारपीट कर दी।

3 बाइक पुलिस ने किया जब्त

इसके बाद पुलिस ने होटल के आसपास के इलाकों की तलाशी ली। पुलिस को देखकर कुछ युवक भाग गए। पुलिस ने उनकी बाइक जप्त कर ली है। मौके से तीन बाइक बरामद हुए। सभी को पुलिस थाने ले गई।

सीएम हेमंत ने अबुआ बजट पोर्टल और मोबाइल एप का किया लोकार्पण

सीएम हेमंत ने अबुआ बजट पोर्टल और मोबाइल एप का किया लोकार्पण, बजट निर्माण को लेकर आम जनता दे सकेंगे सुझाव सर्वश्रेष्ठ सुझाव देने वाले तीन लोग होंगे सम्मानित Ranchi: यह अबुआ सरकार है. ऐसे में राज्य के सतत, समावेशी और सर्वांगीण विकास के साथ लोगों के कल्याण एवं हितों का संवर्धन करने वाला संतुलित बजट हो , इस पर हमारी सरकार का विशेष फोकस है. इसलिए वित्तीय वर्ष 2025 -26 के बजट को लेकर आपके सुझाव, राय और विचार हमारे लिए काफी मायने रखते हैं, ताकि आपके द्वारा प्राप्त होनेवाले बेहतर सुझावों को आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में जगह दे सकें. मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में वर्ष 2025- 26 के बजट निर्माण को लेकर आम जनता के सुझाव /राय/विचार आमंत्रित करने हेतु अबुआ बजट पोर्टल और मोबाइल एप्प का लोकार्पण करते हुए ये बातें कही.

गिरिडीह सांसद वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल हुए, वर-वधू के सुखद-सानंद नवजीवन तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी

रजरप्पा चितरपुर प्रखंड स्थित सांडी गाँव निवासी स्व. राजेश कुमार दास की सुपुत्री ग्रेस रेशमी दास के वैवाहिक कार्यक्रम में गिरिडीह सांसद सीपी चौधरी शामिल हुए. इस दौरान वर-वधू के सुखद-सानंद नवजीवन तथा उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ समस्त परिवार को बधाई व शुभकामनाएं दी। मौके पर आजसू नेता रंजीत महतो सहित कई लोगों ने वर वधु को शुभकामनायें दी.

AIPA का दो दिवसीय अधिवेशन पुरी में सम्पन्न, अजय राय भी हुए थे शामिल

AIPA का दो दिवसीय अधिवेशन भगवान जगरनाथ की नगरी, पुरी, उड़ीसा में श्री अशोक अग्रवाल, अध्यक्ष, AIPA की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। उक्त अधिवेशन में देश के विभिन्न राज्यों के अभिभावक प्रतिनिधि के साथ-साथ झारखंड से अजय राय, अध्यक्ष, झारखण्ड अभिभावक संघ एवं मनोज कुमार मिश्रा, महासचिव, झारखण्ड अभिभावक महासंघ शामिल हुये। अजय राय ने बताया कि दो दिवसीय अधिवेशन इशोपंथी आश्रम में चला जिसमें कई अलग अलग प्रदेशों के डेलीगेट शामिल हुए।

अधिवेशन में निम्नलिखित प्रस्ताव पर चर्चा करते हुये प्रस्ताव को पारित किया गयाः-

1. एक राष्ट्र एक शिक्षा एक सिलेबस लागू किया जाय।
2. सभी राज्यों के निजी एवं सरकारी विद्यालयों में में RTE का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
3. सभी राज्यों में निजी एवं

सरकारी विद्यालयों को नियंत्रित करने के लिये कानून बनाया जाय।
4. निजी विद्यालय में शुल्क को नियंत्रित करने के लिये Fee Regulations Act बनाया जाय।
5. सभी राज्यों में चल रहे Play Schools को नियंत्रित करने के लिये कानून बनाया जाय।
6. अल्पसंख्यक विद्यालयों को भी RTE के दायरे में लाने के लिये वर्तमान कानून में संशोधन किया जाय।
7. देश भर में चल रहे कोचिंग सेंटर को कानून बनाकर नियंत्रित किया जाय।
8. क्रम संख्या 3, 4 एवं 5 को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिये झारखंड के तर्ज पर सभी राज्यों में Education Tribunal Act बनाकर शिक्षा न्यायाधिकरण का गठन किया जाय।
9. देश भर में चल रहे सभी कोटि के गैर मान्यता तथा गैर संवद्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को Play School Act, RTE Act एवं राज्य सरकार से अनापत्ति प्राप्त करने तथा CBSE/ ICSE या राज्य बोर्ड से संवद्यता प्राप्त करने को बाध्य किया जायेगा।
10. निः शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधानों के तहत कक्षा 8 तक 25%बच्चों के निः शुल्क शिक्षा की व्यवस्था को कानून में संशोधन कर कक्षा 12 तक सुनिश्चित किया जाय।
11. RTE के प्रावधानों के तहत प्रवेश कक्षा (Entry Class) कक्षा 1 को निर्धारित किया गया है जहां पर 25% BPL बच्चों के नामांकन की व्यवस्था है तथा साथ ही यह प्रावधान है कि जिन विद्यालय में कक्षा 1 से नीचे की कक्षा का संचालन हो रहा है वहां भी समानुपातिक नामांकन BPL बच्चों का लेना है। इस प्रावधानों को लागू करना के लिये प्रयास करना।
12. RTE के प्रावधानों के तहत सभी राज्यों में विषय वार नियमित शिक्षकों की नियुक्ति की जाय लगातार स्कूलों से ड्रॉप आउट हो रहे बच्चों की संख्या को नियंत्रित किया जाय।
13. शिक्षा को प्राथमिकता देते हुये राज्य तथा केंद्र सरकार द्वारा शिक्षा के बजट में वृद्धि किया जाय।

सेठ रामेश्वर लाल पोद्दार स्मृति भवन के सभागार में संवाददाता सम्मेलन का आयोजन

सेठ रामेश्वर लाल पोद्दार स्मृति भवन के सभागार में संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया ,जिसका उद्देश्य श्री श्याम सेवा समिति, चुटिया का द्वितीय वार्षिक समारोह का आयोजन दिनांक 10.01.2025 दिन शुक्रवार को होना तय किया गया है, संध्या 5:00 बजे से श्याम बाबा का निशान यात्रा श्री राम मंदिर, चुटिया प्रांगण से आयोजन स्थल तक आएगी | संध्या 6:30 बजे से कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित के साथ होगा इसके बाद संगीतमय भजन जोयत एवं बाबा का श्रृंगार देर रात तक किया जाएगा | कार्यक्रम में पूजा पारीक एवं नीरज जलान ,चांडिल के द्वारा संगीतमय भजनों की गंगा प्रवाहित की जाएगी इसके अलावा श्याम सेवा समिति के सदस्यों द्वारा भी भजन प्रस्तुत की जाएगी |रात्रि 9:00 बजे से श्रद्धालु महाप्रसाद ग्रहण करेंगे| सभी कार्यक्रम सेठ रामेश्वर लाल स्मृति भवन चुटिया के सभागार में होगा। कार्यक्रम के मुख्य जजमान प्रमोद पोद्दार हैं | कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालन हेतु मुख्य संयोजक दीपक अग्रवाल एवं सहसंयोजक प्रदीप मोदी को बनाया गया है ,इस अवसर पर अध्यक्ष कमल अग्रवाल, श्री श्याम सेवा समिति के राजेश अग्रवाल ,रवि गुप्ता, हरिशंकर शर्मा ,डॉ.भरत कुमार अग्रवाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे |

पत्रकार मुकेश चंद्राकर का पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टर कांप क्यों गये?

पत्रकार मुकेश चंद्राकर की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई है. पता चला है कि हत्यारों के हमले में उनके सिर पर 15 फ्रैक्चर हो गये. 5 पसलियां टूट गयी थीं. लीवर के 4 टुकड़े हो गये थे. मुकेश चंद्राकर का दिल फट गया था. गर्दन टूट गयी थी. शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोट के गहरे निशान मिले.

मुकेश चंद्राकर छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के रहने वाले थे. वह एनडीटीवी के लिए काम करने के अलावा बस्तर जंक्शन नाम से अपना यूट्यूब चैनल चलाते थे. मुकेश चंद्राकर की पहचान अति नक्सल प्रभावित बस्तर के इलाके में जनपक्षीय पत्रकारिता करने के लिए थी. वह 2021 में सीआरपीएफ के जवान को माओवादियों के चंगुल से छुड़ाकर लाने के लिए भी जाने जाते थे. कहा जाता है कि स्थानीय ठेकेदार सुरेश चंद्रकार के भ्रष्टाचार का खुलासा करने की वजह से उनकी जान चली गयी. 3 जनवरी को मुकेश

का शव ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के आवासीय अहाते में बने सेप्टिक टैंक से मिला था. मुकेश पर 2 से ज्यादा लोगों ने हमला किया 28 साल के पत्रकार सुरेश चंद्राकर का पोस्टमॉर्टम करने वाले डॉक्टरों का कहना है कि उन्होंने अपने जीवन में कभी ऐसा केस नहीं देखा. डॉक्टरों का कहना है कि मुकेश चंद्राकर पर हमला करने वालों में 2 से ज्यादा लोग शामिल हो सकते हैं. पुलिस ने इस केस में मुख्य आरोपी सुरेश चंद्राकर को गिरफ्तार कर लिया है. सुरेश चंद्राकर, खुद को समाजसेवी और उद्दमी बताता है. वह कांग्रेस पार्टी में शामिल है. सुरेश चंद्राकर को 6 जनवरी को तड़के हैदराबाद से गिरफ्तार किया गया. इससे पहले उसके सगे भाइयों दिनेश और रितेश चंद्राकर को भी गिरफ्तार कर लिया गया है. कई रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि सुरेश चंद्राकर और मृतक पत्रकार मुकेश चंद्राकर आपस मे रिश्तेदार भी हैं.

24 दिसंबर को ठेकेदार के खिलाफ की थी रिपोर्ट

गौरतलब है कि 24 दिसंबर 2024 को मुकेश चंद्राकर ने राष्ट्रीय न्यूज चैनल एनडीटीवी के लिए एक रिपोर्ट की थी. यह रिपोर्ट बीजापुर के गंगालूर से नेलशनार तक बनने वाली सड़क के बारे में थी. इस रिपोर्ट में खुलासा किया गया था कि 120 करोड़ रुपये की लागत वाली इस सड़क की गुणवत्ता काफी खराब है. इसमें घटिया सामग्री का भी इस्तेमाल किया जा रहा है. गंगालूर से हिरौली तक में ही सड़क पर 35 से ज्यादा गड्ढे थे. यह 1 किमी का ही इलाका था. यह सड़क, ठेकेदार सुरेश चंद्राकर ही बनवा रहा था.

1 जनवरी की शाम को लापता हो गये थे मुकेश चंद्राकर बताया जाता है कि 1 जनवरी की शाम को ठेकेदार सुरेश चंद्राकर के भाई दिनेश ने मुकेश को खाने पर बुलाया था. मुकेश के भाई यूकेश बताते हैं कि 1 जनवरी की शाम को ही उन्होंने आखिरी बार मुकेश से बात की थी. जब वह 2 जनवरी की सुबह तक भी घर नहीं लौटे तो अनहोनी की आशंका हुई. लोकेशन खंगाला तो यह सुरेश चंद्राकर के मजदूरों के लिए बने कंपाउंड का दिखा रहा था लेकिन उनका फोन ऑफ था. उन्होंने पुलिस को शिकायत की. पुलिस ने त्वरित जांच शुरू की. जब वह मुकेश चंद्राकर के आखिरी मोबाइल लोकेशन पर पहुंचे तो अहाते में सेप्टिक टैंक के ऊपर कंक्रीट की ताजा ढलाई देखी. शक होने पर खुदाई कराई तो मुकेश चंद्राकर का शव मिला.

सब्जी का भाव गिरा, किसान बर्बाद कर रहे फसलः टमाटर और गोभी 4 रुपए पहुंचा

रामगढ़ (झारखंड) झारखंड के कई हिस्सों में सब्जियों की अच्छी खेती होती है। इस बार भी पैदावार ज्यादा हुई पर यह किसानों के लिए मुसिबत बन गई। सब्जियों के भाव लगातार गिर रहे हैं। ऐसे में किसानों ने जो खर्च कर खेती की थी वो भी निकालना अब मुश्किल हो गया है। ऐसी स्थिति में किसान गुस्से में खेत में लगी टमाटर, पत्ता गोभी और फूल गोभी को बर्बाद करने पर मजबूर हो गए हैं। रामगढ़, हजारीबाग और लोहरदगा में किसान सब्जियों को या तो खेत में ही ट्रैक्टर से रौंद बर्बाद कर रहे हैं। या फिर मवेशियों को खिला रहे हैं। किसानों का स्पष्ट कहना है कि बाजार ले जाकार सब्जियों को बेचने का खर्च भी नहीं निकल पा रहा है। ऐसे में से सब्जियां अब हमारे काम की नहीं।

किसान खेत में ही फसल को जला दे रहे रामगढ़ में पत्ता गोभी और फूल गोभी की थोक मूल्य लगभग 2 से 4 रुपए के आसपास है। पालक अब 5 रुपए किलो हो गया है। टमाटर की स्थिति यह हो गई है कि किसान या तो खेत में ही फसल को जला दे रहे हैं या जोत देते हैं। रामगढ़ के किसान बताते हैं कि शादी ब्याह का समय भी अभी नहीं होने से सब्जी के भाव में गिरावट होना एक बड़ी वजह है। उनका कहना है कि हमें सब्जियों का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। सब्जियों के अत्याधिक उत्पादन से हम लोग सब्जियां फेंक दे रहे हैं या अपने जानवरों को खिला दे रहे हैं।

इस बार सब्जियों का उत्पादन ज्यादा हुआ है। सोनडीहा के किसान छवि प्रसाद कहते हैं कि किसान कड़ी मेहनत कर सब्जियां उगाता है और इस तरह कौड़ी के भाव में बिकते देख उसकी आंखें छलक जाती हैं। एक ओर बाजार में लगातार सब्जियों के दाम गिर रहे हैं दूसरी ओर मौसम की मार से किसान त्रस्त हैं।

मंडियों में सब्जी भरपूर मात्रा में पहुंच रही इधर, लोहरदगा के किसानों का कहना है कि सब्जी की खेती अब घाटे का सौदा हो गया है। कुड़ू बाजार के सब्जी मंडी में रविवार को थोक भाव में टमाटर 5 रुपए, आलू 10 रुपए, फूल गोभी 10 रुपए, बैंगन 5 रुपए, पत्ता गोभी 10 रुपए, मूली 10 रुपए बिक रहा है। इसके बाद भी खरीदार नहीं मल रहे हैं। झारखंड और बंगाल सहित कई राज्यों में सब्जियों का उत्पादन काफी हुआ है। मंडियों में सब्जी भरपूर मात्रा में पहुंच रही है। नतीजा यहां सब्जियों के कीमत में काफी गिरावट हो गई है।

कम उम्र में शादी और दहेज लेनदेन एक सामाजिक बुराई और कानूनी अपराध है : अनिता देवी

रजरप्पा चितरपुर स्थित लहेरी टोला में अग्रगति संस्था ने किशोरियों के साथ बैठक की. इस दौरान बाल विवाह, बाल तस्करी, यौन शोषण एवं बाल मजदूरी रोकथाम को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया. मौके पर संस्था के अनिता देवी ने मौजूद किशोरियों को संबोधित करते हुए कहा कि किशोरियों ने बाल विवाह एवं दहेज प्रथा को समाप्त करने की संकल्प ली। कम उम्र में शादी और दहेज लेनदेन एक सामाजिक बुराई और कानूनी अपराध है। बताया कि बेटा और बेटी में कोई अंतर नहीं है। सरकार बालिकाओं को पढ़ने के लिए कई प्रकार की योजनाएं चला जा रही है। जिस तरह से अभिभावक अपने बेटे को पढ़ने के लिए स्कूल भेजते हैं। उसी प्रकार बेटी को भी स्कूल भेजें। अगर एक बेटी पढ़ती है तो पूरे परिवार को शिक्षित कर सकती है. यहां पहुँचे संस्था के लोगों का बुके देकर स्वागत किया गया. मौके पर वार्ड सदस्य, एसएचजी महिलाएं, किशोरी एवं संस्था के लोग मौजूद थे.

रामगढ़ के कुजू में बीती रात गोलीबारीः अपराधियों ने कोयला व्यावसायी पर चलाई गोली, हालत गंभीर

रामगढ़ (झारखंड) रामगढ़ जिले के कुजू ओपी क्षेत्र अंतर्गत अपराधियों द्वारा कुजू ट्रांसपोर्ट मछली बाजार में बीती रात तीन राउंड गोलियां चलाई हैं। अपराधियों ने अनिल केसरी के पैर में तीन गोलियां मारी है। अनिल कोयला व्यवसायी भोंदू केसरी के बेटे हैं। उनके कमर के नीचे गोली लगी है। घटना के बाद कुजू थाना प्रभारी ने आनन-फानन में बेहतर इलाज के लिए रामगढ़ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हालत बिगड़ता देख बाद रांची के मेडिका रेफर कर दिया गया। कुजू थाना प्रभारी ने बताया कि दो अज्ञात अपराधियों के द्वारा तीन राउंड गोली चलाई गई हैं। घटना कुजू ओपी से महज दो सौ मीटर की दूरी पर हुई है। अपराधियों द्वारा घात लगा कर इस घटना को अंजाम दिया गया है। घटना को लेकर छानबीन की जा रही है। बता दें कि इन दिनों रामगढ़ जिले के कुजू एरिया में अवैध कोयले का व्यापार बड़े जोर शोर से चल रहा है।

सुशील ओझा ने समाज हित में शिक्षा, रोजगार और संस्कार को बढ़ावा देने पर बल दिया

रामगढ़ विप्र फाउंडेशन झारखंड इकाई की संगठनात्मक बैठक का आयोजन रविवार को होटल लैंडमार्क में संपन्न हुआ. कार्यक्रम में विप्र फाउंडेशन के संस्थापक संयोजक भाई सुशील ओझा (कलकत्ता) का रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर सुशील ओझा का आगमन हुआ. फाउंडेशन के पदाधिकारीयो द्वारा एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत, प्रदेश अध्यक्ष जय प्रकाश शर्मा, महामन्त्री अजय दधीचि, प्रदेश महामन्त्री प्रदीप कुमार शर्मा एवं अन्य लोगों ने अभिनंदन किया। इस अवसर पर दीप प्रज्वलित एवं मंत्रों के साथ शुभारंभ मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा किया गया. इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के संस्थापक संयोजक सुशील ओझा को झारखंड जोन 6 की ओर से अध्यक्ष सीएजेपी शर्मा ने पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्र देकर अभिनंदन स्वागत किया। श्री ओझा ने विप्र फाउंडेशन द्वारा वर्तमान समय में जयपुर सहित कई राज्यों में हो रहे सामाजिक प्रोजेक्ट कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया अरुणाचल प्रदेश जिला लोहित जिले में लोहित नदी के तपोवस्तलि की परशुराम कुंड महातीर्थ पर भगवान श्री परशुराम जी के पंच धातु के 54 फीट ऊंची प्रतिभा लगाने की जिम्मेवारी केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार से साथ मिली है. उन्होंने समाज हित में शिक्षा, रोजगार और संस्कार को बढ़ावा देने पर बल दिया। प्राथमिकता के तौर पर बच्चों की पढ़ाई के लिए ई-लर्निंग सेंटर बनाने का भी शुभारंभ करने का रांची में भी उन्होंने प्रस्ताव रखा. जिसे मारवाड़ी ब्राह्मण सभा के सहयोग से प्रारंभ करने का लाभ रांची के युवा बच्चों को अवसर प्रदान होगा। ई-लर्निंग सेंटर युवाओं के लिए शिक्षा को बढ़ावा देने का सबसे बड़ा प्रकल्प है। यह कार्य को करने का बीड़ा, निः शुल्क लिया गया है। श्री ओझा ने बताया संगठन का विस्तार झारखंड में किया जाएगा. विप्र लाभ योजना हर जिले में किस तरह पहुंचे इस पर भी चर्चा हुई। उन्होंने बताया कि जयपुर में 7000' स्क्वायर फीट पर परशुराम ज्ञानपीठ का खोला जा रहा है जो शिक्षा का अलग-अलग दीप जलाएगा। यह एक कोचिंग सेंटर रहेगा. विवाह और संस्कार अपने ब्राह्मण समाज के 17 गोत्रों में ही करें जिससे समाज के आने वाली पीढ़ी अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर सके। राज्य सरकार से वार्ताकर झारखंड के टांगीनाथ धाम का विकास सरकार और वहां के लोकल बनवासी मूलवासी आदिवासियों के साथ मिलकर पूरा किया जाएगा। इस अवसर पर सभा का संचालन अमित मनी शर्मा एवं धन्यवाद प्रदेश महामंत्री प्रदीप कुमार शर्मा ने किया। इस अवसर पर संस्थापक संयोजक सुशील ओझा को झारखंड जोन 6 की ओर से भगवान बिरसा मुंडा का स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, संगठन मंत्री अजय दाधीच, प्रदेश महामंत्री प्रदीप कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष निरंजन शर्मा , कोषाध्यक्ष शशांक भारद्वाज, श्याम लाल शर्मा, अमित शर्मा ,पवन शर्मा, पुरषोत्तम शर्मा, प्रमोद सारस्वत, मनोज शर्मा, अनिल शर्मा, महेश शर्मा, रामावतार शर्मा, अमित शर्मा, आनंद शर्मा, विश्वनाथ शर्मा, रमेश चंद्र शर्मा, कृष्ण शर्मा, अशोक पुरोहित, चेतन शर्मा, अमर लाल शर्मा इत्यादि सैकड़ो की संख्या में विप्र फाउंडेशन के सदस्य मौजूद थे।

450 में गैस सिलेंडर देने की घोषणाः वित्त मंत्री बोले- यह I.N.D.I.A का नहीं कांग्रेस का वादा

रांची 450 में गैस सिलेंडर देने की घोषणा पर आया सरकार का पक्ष झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान JMM की अगुआई वाले INDIA ब्लॉक ने 7 गारंटियों का ऐलान किया था। इसमें महिलाओं को हर माह 450 में गैस सिलेंडर देने का वादा किया था। अब सरकार इस वायदे को पूरा करने को लेकर अलग बयान दे रही है। राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने 450 में गैस सिलेंडर देने की घोषणा के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि गैस सिलेंडर देने का फैसला इंडिया गठबंधन के प्लेटफॉर्म पर होगा। उन्होंने कहा कि 450 में गैस सिलेंडर देने की घोषणा इंडिया गठबंधन की एक राजनीतिक पार्टी ने कही थी। यह घोषणा कांग्रेस ने की थी। मैं भी इसी पार्टी में हूं। हालांकि हर राजनीति दल को इस बात की स्वतंत्रता है कि वे अपनी योजनाओं को रखें। लेकिन इंडिया गठबंधन के प्लेटफॉर्म पर भी इस पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। **भाजपा बोली- यह सत्ता के लिए किया गया प्रपंच** वित्त मंत्री के इस बयान पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने X अकाउंट पर लिखा कि चुनाव के दौरान किए गए वादे केवल सत्ता हासिल करने का साधन बनकर रह जाएं, तो यह न केवल जनादेश का अपमान है बल्कि जनता के भरोसे के साथ छल भी। जब इंडिया गठबंधन ने 450 रुपए में गैस सिलेंडर और 3200 रूपए प्रति क्विंटल धान खरीदने का वादा किया था, तब जनता ने इसे अपने भविष्य की उम्मीद के तौर पर देखा था। अब जब सरकार से इन वादों को पूरा करने की मांग की जा रही है, तो मुख्यमंत्री से लेकर सभी मंत्री गण बहाने गढ़ने में व्यस्त हैं।

पुल के नीचे अल्टो गिरने से गोलकडीह निवासी दुकानदार मुख्तार शेख की की मृत्यु

तिसरा। तीसरा थाना क्षेत्र के गोलकडीह पुल के नीचे अल्टो गिरने से गोलकडीह निवासी दुकानदार मुख्तार शेख की पुत्रवधू सलमा शेख उम्र लगभग 24 की मृत्यु अस्पताल ले जाने के क्रम में हो गए जबकि वाहन मैं सवार महिला एवं बच्चे घायल हो गए। कुल नौ लोग शादी समारोह से वापस आ रहे थे। 6 लोगों को गंभीर चोट आई है जिसका इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। सूचना मिलने पर तीसरा थाना प्रभारी सुमन कुमार एवं राजनाथ सिंह मौके पर पहुंचे शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। बताते हैं कि मुख्तार शेख अपने बहनोई के शादी समारोह झरिया ऊपर कुली के समीप बीती रात गया हुआ था सुबह अपने घर वापस झरिया की ओर से आ रहा था ऑल्टो जैसे ही पुल के पास पहुंचा अचानक नियंत्रण खो दिया और डिवाइडर में टक्कर मारते हुए नीचे गिर गया नीचे भी कयी पलटी मारी गई दुर्घटना के बाद आसपास के लोग दौड़ कर सभी घायल को पहले झरिया इसके बाद धनबाद ले गए जहां मुख्तार शेख की पुत्रवधू सलमा की मृत्यु हो गई। गाड़ी उसका पुत्र शाहनवाज शेख चल रहा था। उसको भी गंभीर चोट लगी है। लोगों का कहना है कि एक टेंपो के बचाने के चक्कर में यह घटना हुई है जबकि कई लोगों ने कहा कि सुबह का समय था इसलिए शायद नींद आ गई होगी जिसके कारण इस तरह की घटना हुई है। लोगों ने प्रशासन एवं प्रबंधन से पुल के समीप स्पीड ब्रेकर एवं सुरक्षा देने तथा लाइट लगाने की बातकही है। अल्टो में मुख्तार शेख के अलावा उसका पुत्र शाहनवाज शेख पुत्रवधू सलमा बेटी, अल्फी ,मलका शेख, तान्या एवं बगल के अप्सरा परवीन भी थी कुल गाड़ी में चार बच्चा दो पुरुष तीन महिला थी एक नवजात शिशु भी था सभी का इलाज चल रहा है। सलमा का पति गोल्डन बाहर कमाने गया है उसकी सूचना दी गई है परिवार के कई लोग घटनास्थल पर आए तीसरा थाना प्रभारी ने फर्ज बयान कराकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ऑल्टो को अपने कब्जे में लिया गया है।

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर हाई लेवल टीम पहुंची मंडल कारा

धनबाद। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी के नेतृत्व में सोमवार को न्यायिक पदाधिकारी तथा जिला प्रशासन की हाई लेवल टीम मंडल कारा पहुंची। इसकी जानकारी देते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री वीरेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि कुछ रिपोर्ट और सामाजिक संगठनों द्वारा यह आशंका जताई गई थी कि जेल में जातिगत भेदभाव हो सकता है। बंदियों के बीच झगड़े, विवाद और सांप्रदायिक तनाव को कम करने के नाम पर, उन्हें जाति या समुदाय के आधार पर अलग-अलग बैरकों में रखा जाता है। जिस पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लेते हुए इस मामले पर सुनवाई की थी और 31 अक्टूबर 2024 को आदेश पारित किया था। उन्होने कहा कि जेल प्रशासन का मुख्य उद्देश्य कैदियों का पुनर्वास और सुरक्षा है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इस बात की जांच करने टीम मंडल कारा गई थी। वहां ऐसी कोई अनियमितता नहीं मिली।

वहीं मंडल कारा के प्रभारी अधीक्षक सह अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने कहा कि किसी भी कैदी को जाति, धर्म या किसी अन्य सामाजिक पहचान के आधार पर नहीं बांटा जाता। बंदियों को उनके अपराध की प्रकृति, सुरक्षा की स्थिति और उनके व्यवहार के आधार पर बैरकों में रखा जाता है। न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकारी श्री राकेश रोशन ने बताया कि सामाजिक संस्था सुकन्या बनाम भारत सरकार के मामले में (रिट पिटीशन संख्या 1404/23) में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष जेलों में बंदियों को जातिगत वर्गीकरण के आधार पर रखा जाता है या नहीं, की जांच करने की बात रखी गई थी। इसपर सुनवाई के बाद माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भारत के सभी जेलों में इस बाबत जांच का निर्देश दिया था। जिसके अनुपालन में आज मंडल कारा में जांच की गई।

टीम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विरेन्द्र कुमार तिवारी, अवर न्यायाधीश राकेश रोशन, अपर समाहर्ता सह प्रभारी मंडल कारा अधीक्षक विनोद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी श्री राजेश कुमार, प्रभारी चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ रोहित गौतम, डॉ राजीव कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजूर, भवन प्रमंडल के कार्यपालक पदाधिकारी चंदन कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी शिव कुमार राम, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी श्री विनोद कुमार मोदी, एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेंदू, डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक नीरज गोयल, सुमन पाठक, शैलेन्द्र झा, कन्हैयालाल ठाकुर, स्वाती, मुस्कान, डालसा सहायक अरुण कुमार, सौरभ सरकार, राजेश कुमार सिंह समेत अन्य लोग शामिल थे।

सामाजिक संस्था समर्पण एक नेक पहल टीम बोकारो के संस्थापक सदस्य राहुल ने किया थैलेसीमिया से पीड़ित यबच्चों के लिए रक्तदान

पिछले कई वर्षों से लगातार जन कल्याणकारी कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली सामाजिक संस्था समर्पण एक नेक पहल के संस्थापक सदस्य राहुल कुमार ने एक 9 वर्षीय थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चे देव कुमार महतो के लिए रक्तदान किया l संस्था के बोकारो जिला अध्यक्ष बिनोद चौहान के माध्यम से इस बच्चे को पहले लगभग आठ से नौ बार रक्त उपलब्ध कराया जा चुका है आज फिर से बच्चे को तत्काल रक्त की आवश्यकता पड़ने के कारण संस्था के संस्थापक सदस्य राहुल कुमार ने रक्तदान किया, रक्त की सूचना मिलते ही संस्था के अध्यक्ष बिनोद चौहान तथा रक्त वीर राहुल कुमार बिना समय गवाएं केएम मेमोरियल ब्लड बैंक बोकारो पहुंचे और थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चे के लिए रक्तदान किया l रक्तदान करने के पश्चात राहुल ने बताया कि ये मेरे जीवन का सबसे बड़ा गर्व से भरा पल हैं मैंने किसी की जान बचाने के लिए अपना रक्त दान किया हैं रक्तदान को महादान, जीवनदान कहा जाता हैं क्योंकि रक्त का अब तक दूसरा कोई विकल्प नहीं तैयार नहीं किया जा सका यदि किसी को रक्त की आवश्यकता हो तो उसे हम सभी रक्तदान करके ही पूरा कर सकते हैं इसीलिए आप सभी से अनुरोध हैं कि जब भी मौका मिले किसी जरूरतमंद के लिए अवश्य रक्तदान करें इससे आप किसी की जान बचाने में सहायता तो करते ही हो साथ में खुद का भी निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच करवा लेते हो रक्तदान के प्रक्रिया में रक्त दाताओं का करीब 10 प्रकार का ब्लड टेस्ट निःशुल्क हो जाता हैं और नियमित रूप से रक्तदान करने से हार्ट अटैक, कैंसर इत्यादि गंभीर रोगों का भी खतरा बहुत कम हो जाता हैं हमारी संस्था पिछले चार-पाँच वर्षों से जरूरतमंद लोगों के लिए सेवा पहुंचाने का काम करते आ रही हैं उसी कड़ी का आज ये भी एक मेरा छोटा सा योगदान हैं हमारी संस्था लगातार शिक्षा, रक्तदान एवं जनकल्याण के प्रगतिपथ कार्य कर रही हैं और आगे भी हम सभी संकल्पित होकर इसे लगातार जारी रखेंगे l

18.05 एकड़ अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया

सरायकेला खरसावां। पुलिस अधीक्षक सरायकेला खरसावां के निर्देशानुसार सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत अफ़ीम की अवैध खेती के विरुद्ध विशेष अभियान चलाते हुए विभिन्न थाना क्षेत्र में करीब 18.05 एकड़ अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया। विनष्टीकरण की थानावार विवरणी निम्न प्रकार है:-

* दलभंगा ओ०पी० एवं कुचाई थाना क्षेत्र अंतर्गत थाना प्रभारी कुचाई तथा दलभंगा ओ0पी0 प्रभारी के नेतृत्व में कुचाई थाना अंतर्गत बांडी गांव में लगे करीब 1.90 एकड़ अवैध अफ़ीम की खेती एवं दलभंगा ओपी अंतर्गत जेनालोंग बड़ेडीह गांव के जंगल किनारे लगे करीब 8.15 एकड़, कुल करीब 10.05 एकड़ अवैध अफ़ीम की खेती को विनष्ट किया गया।

* ईचागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत थाना प्रभारी इचागढ़ के नेतृत्व में ग्राम तुता एवं बोडा में करीब 08 एकड़ में अवैध अफीम की खेती को नष्ट किया।

जरीडीह के तुपकाडीह में उत्पाद विभाग ने अवैध विदेशी शराब निर्माण स्थल पर की छापेमारी

बोकारो। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर सोमवार को सहायक आयुक्त उत्पाद बोकारो के मार्गदर्शन एवं निरीक्षक उत्पाद के पर्यवेक्षण में जिला उत्पाद टीम ने *जरीडीह थाना क्षेत्र के तुपकीडीह में सुरेंद्र अग्रवाल के मकान में छापामारी किया। मकान से टीम ने 02 जार (40 लीटर) स्पिरिट एवं मकान के पिछे बने कमरे एवं कमरे के तहख़ाना से शराब बनाने की सामग्री जैसे विभिन्न ब्रांड के स्टीकर,खाली बोतल,विभिन्न ब्रांड के ढ़क्कन एवं झारखंड सरकार के नक़ली लोगो एवं 20 पेटी (180 लीटर) नकली विदेशी शराब जब्त किया।

टीम ने मामले में संलिप्त अभियुक्तों पर उत्पाद अधिनियम की सूसंगत धाराओं के आधार पर अभियोग दर्ज किया जा रहा है। छापामारी दल में निरीक्षक उत्पाद विजय कुमार पाल,अवर निरीक्षक सदर सह तेनुघाट सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक बेरमो सह चंदपुरा महेश दास आदि उपस्थित थे।

मत्स्य कृषकों की एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित

रांची/झींकपानी (पश्चिम सिंहभूम)। मत्स्य विभाग के तत्वावधान में रविवार को पश्चिम सिंहभूम के झींकपानी प्रखंड अंतर्गत नवागांव ग्राम में एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में काफी संख्या में नवागांव के मत्स्य पालकों व मोती पालन करने वाले मत्स्य कृषकों ने भाग लिया।

संगोष्ठी में उपस्थित मत्स्य कृषकों को मत्स्य प्रसार पदाधिकारी जीनत फातिमा ने संबोधित किया। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों को मत्स्य पालन से जुड़कर झारखंड को मछली उत्पादन में आत्म निर्भर बनाने में सहभागिता निभाने की अपील की।

उन्होंने कहा कि मत्स्य विभाग की योजनाओं से जुड़कर लाभ उठाएं और अपनी आमदनी बढ़ाएं।

संगोष्ठी में प्रगतिशील मत्स्य कृषक व मोती पालक बुधन सिंह पूर्ति ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि मनुष्य अगर अपने उद्देश्यों के प्रति प्रयत्नशील रहे तो असंभव कार्य भी संभव हो सकता है। श्री पूर्ति ने बताया कि मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री लेने के बावजूद झारखंड राज्य में मोती पालन से अपनी अलग पहचान बनाने में सफल रहे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में झारखंड के हजारीबाग जिला को मोती पालन हेतु क्लस्टर जिला चयनित किए जाना झारखंड के गौरव की बात है। यह राज्य की बड़ी उपलब्धि है।

श्री पूर्ति ने मोती पालन हेतु मत्स्य कृषकों को प्रोत्साहित किया।

उन्होंने कहा कि वह चाईबासा में पले-बढ़े। इसलिए अपने गांव और चाईबासा जिले को मोती पालन में झारखंड में अग्रणी जिला बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं।

संगोष्ठी में उपस्थित कृषकों को संबोधित करते हुए पशु चिकित्सक डॉ. बबलू सुन्डी ने कहा कि मोती पालन किसानों की आर्थिक समृद्धि बढ़ाने में सहायक हो सकता है।

राज्य के सभी जिले तथा पुलिस इकाईयों में किया गया साप्ताहिक परेड का आयोजन

झारखंड। प्रातः 09.00 बजे महानिदेशक एवं पुलिस महानिरीक्षक, झारखण्ड के निर्देशानुसार पुलिस मुख्यालय एवं राज्य के सभी जिले तथा इकाईयों में पदस्थापित/प्रतिनियुक्ति पुलिस पदधिकारी एवं कर्मियों को शारीरिक/ मानसिक रूप से चुस्त-दुरूस्त रखने हेतु साप्ताहिक परेड का आयोजन प्रारंभ हुआ। इस परेड में आरक्षी से पुलिस निरीक्षक संवर्ग के पदाधिकारी एवं कर्मी भाग लिए। यह परेड नियमित रूप से अगले आदेश तक आयोजित किया जायेगा।

भारतीय वायु सेना (IAF) ने अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर वायु पदों के लिए भारतीय पुरुष उम्मीदवारों की भर्ती के लिए अधिसूचना जारी

भारतीय वायुसेना के अग्निवीर वायु के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 07 से 27 जनवरी को आधिकारिक वेबसाइट agnipathvayu.cdac.in पर खुली रहेगी। अग्निवीर वायु भर्ती के लिए उम्मीदवार 07 से 27 जनवरी तक भारतीय वायु सेना की वेबसाइट पर लॉग इन कर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। भारतीय वायु सेना में नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं के लिए खुशी की खबर है। अग्निपथ योजना के तहत भारतीय वायुसेना ने अग्निवीर वायु पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू करने की घोषणा की है। इच्छुक उम्मीदवार 07 जनवरी 2025 से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए अभ्यर्थी भारतीय वायुसेना की आधिकारिक वेबसाइट (agnipathvayu.cdac.in) पर जाकर फॉर्म भर सकते हैं।

आवेदन तिथि आवेदन की प्रक्रिया 07 जनवरी 2025 से 27 जनवरी 2025 की रात 11 बजे तक जारी रहेगी।

आयु सीमा इसके लिए वायु सेना ने आयु सीमा साढ़े 17 से 21 वर्ष तक रखी है। **शैक्षिक योग्यता** 12वीं पास युवक-युवती जिन्हें गणित, भौतिकी व अंग्रेजी में कुल औसत अंक 50 फीसदी और अंग्रेजी में 50 फीसदी अंक होगा। वे इसके लिए योग्य होंगे। **परीक्षा और चयन प्रक्रिया** सलेक्शन लिखित परीक्षा और फिजिकल टेस्ट के आधार पर होगा। पहले चरण में लिखित परीक्षा 22 मार्च 2025 से ऑनलाइन मोड में आयोजित की जाएगी। परीक्षा की तारीख से 24-72 घंटे पहले अभ्यर्थियों को ईमेल के जरिए एडमिट कार्ड भेजा जाएगा। परीक्षा में निगेटिव मार्किंग भी होगी। वहीं, दूसरे चरण में शारीरिक दक्षता और मेडिकल जांच की जाएग। पुरुष अभ्यर्थियों को 1.6 किमी दौड़ 7 मिनट में पूरी करनी होगी। जबकि महिला अभ्यर्थियों को 1.6 किमी दौड़ 8 मिनट में पूरी करनी होगी।

कैसे करें आवेदन • सबसे पहले उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट agnipathvayu.cdac.in पर जाएं। • अब होमपेज पर आवेदन लिंक पर क्लिक करें। • इसके बाद सभी आवश्यक विवरण भरें और आवेदन पत्र जमा कर दें। • अंत में भविष्य के संदर्भ के लिए आवेदन पत्र का एक प्रिंट आउट ले लें।

श्रीमद् भागवत कृष्ण कथा का में श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

रांचीः राज्य का सबसे बड़ा राधा- कृष्ण मंदिर श्री कृष्ण प्रणामी सेवा- धाम मंदिर मे उद्घाटन के दूसरे दिन भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने मंदिर एवं शीश महल में विराजमान भगवान श्री राधा- कृष्ण का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर आयोजित चार दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन यजमान श्रीमती सुनीता अग्रवाल- राजू अग्रवाल एवं परिवार के सभी सदस्यों तथा संस्था के सदस्यों ने बड़े प्रेम से श्रीमद्भागवत का पूजन तथा स्वामी श्री सदानंद जी महाराज, टहल किशोर महाराज, स्वामी श्यामानंद महाराज, जगत राज महाराज, मोहन प्रियाचार्य जी महाराज को माल्यार्पण चंदन वंदन कर उपस्थित सभी श्रद्धालु भक्तों के साथ श्रीमद् भागवत सार कृष्ण अमृत कथा, वाणी चर्चा, बीतक कथा, की गई। तथा श्रीमद् भागवत की आरती की गई। कथा की अमृत वर्षा श्री सदानंद जी महाराज के मुखारविंद से भक्तों ने श्रवण किया। श्री राधा- कृष्ण मंदिर मे दूसरे दिन श्री कृष्ण कथा के व्यास पीठ पर विराजमान संत शिरोमणि श्री स्वामी सदानंद महाराज ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि जो लोग विषय चिंतन में लगे रहते हैं उनकी इंद्रिय विषयों में फंस जाती है उनको उन्हीं की ओर खींच लेती है जैसे जलाशय के तीर पर उगे पेड़ आदि खेल खेलते हैं। उसी प्रकार इंद्रियां शक्ति मन बुद्धि विचार शक्ति को हर लेती है अतः सकारात्मक सोच के साथ चिंतन करें। महापुरुषों के संग प्राप्त ज्ञान रुप खड़क के द्वारा इस लोक में ही अपने मोह बंधन कार्ड डालना चाहिए। फिर भी श्री हरि की लीलाओं कथन और श्रवण से भगवती स्मृति बने रहने के कारण सुगमता से भगवत प्राप्ति कर सकते हैं। महाराज जी ने भगवान श्री कृष्ण के प्रति गोपियों के हृदय में प्रेम का वर्णन करते हुए कहा कि उधर जैसे ज्ञानी को भी कहना पड़ा है गोपियों तो धन्य हो तुम्हारा जीवन सफल है तुम सारे संसार के लिए पूजनीय हो क्योंकि तुम लोगों के इस प्रकार भगवान श्री कृष्ण को अपना हृदय अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया है नंद बाबा के ब्रज में रहने वाले गोपाल मनाओ की चरण धूलि को मैं बार-बार प्रणाम करता हूं।भगवान श्री कृष्ण की बाल लीला सुनाते हुए कहा कि श्रीकृष्ण को जिस भाव से याद किया है वे उसी भाव में आकर गोप गोपियों को आनंद प्रदान किया भगवान तो अंतर्यामी है वह भक्तवत्सल यहां भक्तों की भावना समझते हैं वह भक्तों के बस में अनेक लीला करते हुए भक्तों का आनंदित किया दोस्तों को संसार करके धन की स्थापना की गिराज पर्वत उठाकर ब्रिज बुलाओ की इच्छा पूरी की कंस का उद्धार करके मथुरा से द्वारका वास किया। स्वामी मोहन प्रियाचार्य महाराज ने वाणी चर्चा में श्रीमद्भागवत गीता ज्ञान की चर्चा की तथा सुंदर भजन सरवन कराकर आनंद विभोर कर दिया।सुमधुर भजनों एवं मनमोहन झांकियां देखकर भक्तजन आनंद लेते हुए खूब झूमे, पूरा वातावरण भक्तिमय व कृष्णमय हो गया। आज भगवान श्री कृष्ण के जन्म के समय पूरा मंदिर परिसर कृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। भक्तगण आनंदित भाव- विभोर हो गए। संत श्री सदानंद जी महाराज ने प्रवचन में भजनों के माध्यम से श्रीमद् भागवत कथा की महिमा बताएं भगवान श्री कृष्ण जन्मोत्सव के बाद आज की कथा को विश्राम दिया गया।कथा के पश्चात प्रसाद- वितरण किया गया। उक्त जानकारी देते हुए ट्रस्ट के मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि इस अवसर पर श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के अध्यक्ष डूंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, सचिव मनोज चौधरी, कोषाध्यक्ष नवल अग्रवाल, विद्या अग्रवाल, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सराफ, अनिल कुमार अग्रवाल, विशाल जालान, अजय खेतान, मनीष जालान, वेंकट गाड़ोदिया, निर्मल छावनिका जी लाल खंडेलवाल।

दो दिन में 40% उछला इस सरकारी कंपनी का शेयर, गिरावट के बीच क्यों बना है रॉकेट?

शेयर मार्केट में हफ्ते के पहले दिन फिर गिरावट दिख रही है। पिछले हफ्ते भी शुक्रवार को यह गिरावट के साथ बंद हुआ था। लेकिन इस गिरावट के बीच सरकारी कंपनी आईटीआई लिमिटेड का शेयर दो दिन में करीब 40 फीसदी उछल चुका है।

नई दिल्ली: बाजार में गिरावट के बीच सरकारी कंपनी आईटीआई लिमिटेड का शेयर आज नए रेकॉर्ड पर पहुंच गया। पिछले दो दिन में इसमें करीब 40% तेजी आई है। शुक्रवार को इसमें 20 फीसदी तेजी आई थी और आज भी यह शुरुआती कारोबार में करीब 20 फीसदी उछल गया। मार्केट खुलते ही यह बीएसई पर लंबी छलांग लगाते हुए 545.55 रुपये पर पहुंच गया जो इसका ऑल-टाइम हाई है। इसके साथ ही दूरसंचार विभाग के तहत आने वाली इस कंपनी का मार्केट कैप 50,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया।

यह कंपनी दूरसंचार उपकरणों के निर्माण, व्यापार और सर्विसिंग तथा अन्य संबद्ध और सहायक सेवाएं प्रदान करने में लगी हुई है। सरकार इन्फ्रास्ट्रक्चर के डेवलपमेंट पर जोर दे रही है जिससे कंपनी के इक्विपमेंट्स की डिमांड में तेजी आने की उम्मीद है। हाल में कंपनी को उत्तराखंड सरकार से 95 करोड़ रुपये का एक ठेका मिला है। इससे कंपनी का रेवेन्यू और मुनाफा बढ़ने की उम्मीद है। यही वजह है कि कंपनी के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। **कंपनी का परफॉरमेंस** फाइनेंशियल ईयर 2025 की दूसरी तिमाही में कंपनी की सेल 312.31 फीसदी की उछाल के साथ 1,016.20 crore करोड़ रुपये रही। उसका घाटा भी 44.19 फीसदी घटकर 70.33 करोड़ रुपये रह गया। इस दौरान कंपनी का EBITDA भी 114.1 परसेंट के सुधार के साथ 6.09 करोड़ रुपये रहा। यह कंपनी कई अहम सरकारी प्रोजेक्ट्स के साथ जुड़ी है जिसका फायदा उसके शेयरों को हो रहा है। पिछले एक साल में इसमें काफी तेजी आई है। 11.40 मिनट पर यह बीएसई पर 15.13% तेजी के साथ 526.45 रुपये पर ट्रेड कर रहा था।

कैसे दूर होगी देश में बेरोजगारी की समस्या? बजट के लिए एक्सपर्ट्स ने सरकार को दिए सुझाव

भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है जहां बेरोजगारी की दर सबसे ज्यादा है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में बेरोजगारी की दर 6.4% है। देश की जीडीपी ग्रोथ सुस्त हो रही है। ऐसे में सबकी नजरें 1 फरवरी पर टिक गई हैं, जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले वित्त वर्ष के लिए आम बजट पेश करेंगी।

नई दिल्ली: *कॉलेज से निकलने वाले हर दो में से एक युवा के पास रोजगार पाने लायक स्किल नहीं है। बेरोजगारी दर का सरकारी आंकड़ा 6.4% है। देश की जीडीपी ग्रोथ सुस्त हो रही है। ऐसे में नजरें 1 फरवरी पर टिक गई हैं, जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले वित्त वर्ष के लिए आम बजट पेश करेंगी। इंडियन स्टाफिंग फेडरेशन की एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर सुचिता दत्ता ने कहा, 'जॉब्स की कमी नहीं है। समस्या यह है कि जहां युवा हैं, वहां उनके लायक रोजगार के मौके कम हैं, दूसरी ओर शहरी और औद्योगिक इलाकों में रोजगार हैं, तो वहां पर्याप्त कुशल युवा नहीं हैं। यह गैप भरने की चुनौती है। पीएम इंटर्नशिप स्कीम जैसी योजनाओं से मदद मिल सकती है।'*

इकनॉमिक सर्वे FY24 में कहा गया था कि कॉलेज से निकलने वाले लगभग हर दो में से एक युवा के पास रोजगार पाने लायक स्किल नहीं है। इसे देखते हुए पिछले बजट में पीएम इंटर्नशिप स्कीम का ऐलान किया गया था। 3 अक्टूबर को इसका पायलट शुरू किया गया, लेकिन अभी तक इसकी औपचारिक शुरुआत नहीं हो सकी है। ***सीआईआई के सुझाव*** *कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (CII) के डीजी चंद्रजीत बनर्जी ने कहा कि CII ने केंद्र को 7 सुझाव दिए हैं। बनर्जी ने कहा, 'एक समेकित राष्ट्रीय रोजगार नीति होनी चाहिए, जिसमें विभिन्न मंत्रालयों और राज्यों की मौजूदा योजनाओं को मिला दिया जाए। नैशनल करियर सर्विस के रूप में एक ही एंप्लॉयमेंट पोर्टल हो, जिस पर हर जगह से रोजगार के अवसरों और स्किल डिमांड सहित सभी जानकारियां आएं।' पिछले दिनों श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा था कि '2004 से 2014 तक यूपीए कार्यकाल में 2.19 करोड़ जॉब्स क्रिएट हुईं, लेकिन अकेले 2023-24 में ही 4.6 करोड़ जॉब्स क्रिएट की गईं। यूपीए शासन में जहां एंप्लॉयमेंट ग्रोथ केवल 7% रही, वहीं 2014 से 2024 के बीच 36% की बढ़त दर्ज की गई।' हालांकि PLFS डेटा के मुताबिक, जुलाई-सितंबर के दौरान शहरी इलाकों में बेरोजगारी दर 6.4% थी। CMIE के मुताबिक, अक्टूबर में बेरोजगारी दर 8.7% और नवंबर में 8% रही। एनुअल पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे के मुताबिक, 2023-24 में बेरोजगारी दर 3.2% थी। 2022-23 में भी यह इतनी ही थी। इसका संकेत यह है कि फॉर्मल सेक्टर में मौके नहीं बढ़ पा रहे।* **कैसे बढ़ेंगे रोजगार** *PHDCCI प्रेसिडेंट हेमंत जैन ने कहा, 'शिक्षा संस्थानों के पाठ्यक्रमों को प्रैक्टिकल फील्ड ट्रेनिंग के साथ मिलाने की जरूरत है। सरकार को राष्ट्रीय और राज्यों के स्तर पर खाली सरकारी पदों को भरना चाहिए। टेक्सटाइल्स, टूरिजम, हेल्थकेयर और IT जैसे सेक्टरों को सब्सिडी दी जाए और MSME के लिए इंसेंटिव का इंतजाम हो, तो जॉब्स के मौके बढ़ाने में मदद मिल सकती है।'*

गर्लफ्रेंड से हुआ ब्रेकअप तो 84000000000 में बेच दी कंपनी, अब लोगों से पूछा- कहां खर्च करूं इतना पैसा?

अगर आपके पास अचानक 10 करोड़ रुपये आ जाएं तो आप क्या करेंगे? शायद कोई कंपनी शुरू कर दें। लेकिन एक शख्स ने अरबों रुपये में अपनी कंपनी बेच दी है। अब उसके पास इतनी रकम आ गई है कि उसे समझ नहीं आ रहा कि वह इस रकम का क्या करे। इसके बारे में उसने एक लंबा-चौड़ा ब्लॉग लिखा है।

नई दिल्ली: कुछ लोग बड़ी कंपनी बनाने के लिए अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा निकाल देते हैं। वहीं कुछ ऐसे भी हैं जो कम उम्र में बड़ी कंपनी बनाकर उसे बेच देते हैं। इन्हीं में एक विनय हिरेमथ (Vinay Hiremath) भी हैं। लेकिन विनय का कंपनी बेचने का कारण बहुत ही अजीब है। गर्लफ्रेंड से ब्रेकअप होने के बाद उन्होंने इस कंपनी को बेच दिया। उन्होंने अपनी कंपनी कोई 10, 20 करोड़ में नहीं बल्कि 975 मिलियन डॉलर (करीब 8400 करोड़ रुपये) में बेची है। अब उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों से पूछा है कि वह इस रकम को कहां खर्च करें। **कौन हैं विनय हिरेमथ?** 33 साल के विनय हिरेमथ भारतीय मूल के कारोबारी हैं और अमेरिका में रहते हैं। वह लूम कंपनी के को-फाउंडर रहे हैं। उन्होंने अपने इस स्टार्टअप को साल 2023 में 975 मिलियन डॉलर में बेच दिया था। इसे एटलसियन (Atlassian) ने खरीदा था। अपनी कंपनी को बेचने के बाद विनय रातों-रात अरबपति हो गए। अब उन्होंने एक लंबा ब्लॉग लिखा है। इसमें उन्होंने अपने जीवन में हो रहे बदलाव के बारे में विस्तार से बताया है।

क्या लिखा है ब्लॉग में? ब्लॉग में विनय ने लिखा है, 'मैं अमीर इंसान बन गया हूं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि मैं अपने जीवन में अब क्या करूं। पिछला साल मेरे लिए काफी मुश्किल भरा रहा। पिछले साल कंपनी बेचने के बाद अब मैं खुद को अचंभित स्थिति में पाता हूं कि मुझे फिर कोई काम नहीं करना होगा। हर चीज में मुझे कुछ नयापन लगता है, लेकिन प्रेरणादायक नहीं है। मैंने पहले ही इतना पैसा कमा लिया कि मैं नहीं जानता इसका क्या करना है।'

गर्लफ्रेंड से हुआ ब्रेकअप विनय ने ब्लॉग में अपनी गर्लफ्रेंड के बारे में भी लिखा है। उन्होंने लिखा है, 'दो साल गर्लफ्रेंड के साथ काफी मधुर संबंध रहे। लेकिन असुरक्षाओं के कारण उसके साथ ब्रेकअप हो गया है। यह काफी दुखभरा था। लेकिन निर्णय लेना सही रहा।' ब्लॉग में विनय ने अपनी गर्लफ्रेंड से माफी भी मांगी है। उन्होंने गर्लफ्रेंड के लिए लिखा, 'हर चीज के लिए शुक्रिया। मुझे खेद है कि मैं वह नहीं बन सका जो आपको चाहिए था।' **कंपनी ने दिया था ऑफर** विनय की कंपनी लूम को जिसने खरीदा, उसने विनय को CTO का पद और 60 मिलियन डॉलर के पैकेज का ऑफर दिया था। विनय ने बताया कि वह एटलसियन के इस ऑफर पर कोई निर्णय नहीं ले सके। विनय ने लिखा है कि वह एलन मस्क जैसा बनना चाहते थे।

मियां-बीवी ने भिड़ाया दिमाग, अब 5 लाख महीने की कमाई

जयपुर के पुनीत अग्रवाल और चांदनी गुप्ता ने औरम क्राफ्ट्स की स्थापना की है। यह स्टार्टअप स्थानीय कारीगरों के हाथों से बने और सजाए हुए रसोई के आइटम बेचता है। औरम क्राफ्ट्स की मासिक आय 5 लाख रुपये तक पहुंच गई है।

नई दिल्ली: जयपुर के पुनीत अग्रवाल और चांदनी गुप्ता ने 2022 में औरम क्राफ्ट्स (Aurum Crafts) नाम का स्टार्टअप शुरू किया। यह D2C ब्रांड है जो हाथ से बने घर की सजावट और किचन के सामान बेचता है। कंप्यूटर इंजीनियर पुनीत पहले अपने परिवार के मेटल निर्माण के कारोबार में थे। काम सफल था, लेकिन उन्हें यह नीरस लगता था। चांदनी ने 12 साल कॉर्पोरेट जगत में काम किया। दोनों कुछ रचनात्मक और स्थायी करना चाहते थे। जयपुर की कला और शिल्प परंपरा से प्रेरित होकर उन्होंने सुंदर और उपयोगी घर की सजावट के सामान बनाने के बारे में सोचा। अब दोनों अपने वेंचर से हर महीने लाखों की कमाई कर रहे हैं। आइए, यहां पुनीत अग्रवाल और चांदनी गुप्ता की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

स्टार्टअप के पीछे सोच पुनीत अग्रवाल और चांदनी गुप्ता जयपुर के रहने वाले हैं। उन्होंने एक स्टार्टअप शुरू किया है। इसका नाम है- औरम क्राफ्ट्स। यह स्टार्टअप हाथ से बने लकड़ी के किचन के सामान बनाता है। ये सामान बागरू के स्थानीय कारीगर हाथ से पेंट करते और बनाते हैं। औरम क्राफ्ट्स पारंपरिक कारीगरी और आधुनिक सोच की फ्यूजन का नतीजा है। 'औरम' लैटिन में 'सोने' को कहते हैं। यह स्थायी मूल्य वाले उत्पाद बनाने के संस्थापकों के लक्ष्य को दर्शाता है। पुनीत और चांदनी का लक्ष्य किफायती और अच्छी क्वालिटी वाले किचनवेयर उपलब्ध कराना था। इस काम में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। जैसे प्रोडक्ट डिजाइन, निर्माण और कारीगरों के साथ काम करना। उन्होंने D2C ऑनलाइन बिजनेस मॉडल चुना, जिससे उन्हें नई मुश्किलें आईं। लेकिन, उनके उत्पादों को तुरंत सफलता मिली। इस स्टार्टअप ने स्थानीय कारीगरों को रोजगार और आर्थिक स्थिरता प्रदान की है।

अब लाखों की कमाई पति-पत्नी ने उत्पाद डिजाइन और कारीगरों के साथ काम करने का अनुभव हासिल करने में एक साल लगाया। औरम क्राफ्ट्स लकड़ी के किचन के सामान बनाता है। इनमें चीज प्लेटर्स, सर्विंग ट्रे, कटिंग बोर्ड और कटोरे शामिल हैं। ये हाथ से बनाए, पॉलिश और पेंट किए जाते हैं। इससे हर एक पीस अनोखा लगता है। लकड़ी जयपुर और जोधपुर से आती है। कारीगरों को उचित मजदूरी मिलती है। प्रोडक्ट किफायती और टिकाऊ हैं। बाजार में अच्छी क्वालिटी के हाथ से बने किचनवेयर की कमी को पूरा करते हैं।

HDFC बैंक के डिपॉजिट में आई तेजी, पिछले साल के मुकाबले 16% बढ़ गई रकम, जानें कैसे हुआ यह सब

एचडीएफसी बैंक के डिपॉजिट में वित्तीय वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में तेजी आई है। HDFC बैंक के मूल हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के साथ विलय के बाद यह पहली बार है जब बैंक के डिपॉजिट में तेजी आई है। बैंक ने यह जानकारी स्टॉक एक्सचेंजों के साथ फाइलिंग में दी। हालांकि इस दौरान बैंक के ग्रॉस एडवांस में उतनी तेजी नहीं रही।

नई दिल्ली: देश के सबसे बड़े प्राइवेट बैंक HDFC ने इस बार डिपॉजिट में बाजी मारी है। बैंक का डिपॉजिट पिछले साल के मुकाबले करीब 16 फीसदी बढ़ गया है। यह जानकारी एचडीएफसी ने स्टॉक एक्सचेंजों के साथ फाइलिंग में Q3 FY25 के लिए अपने व्यावसायिक आंकड़ों का खुलासा करते हुए दी। इसमें बताया है कि एचडीएफसी बैंक का डिपॉजिट जुलाई 2023 में अपनी मूल हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के बैंक के साथ विलय के बाद पहली बार एडवांस से आगे निकल गया। इस साल क्रिप्टोकरेंसी बनाएगी रेकॉर्ड, 20000000 पहुंच सकती है एक बिटकॉइन की कीमत, किसने कर दी भविष्यवाणी?

कितनी आई तेजी? 31 दिसंबर 2024 तक एचडीएफसी बैंक की जमाराशि 25.6 लाख करोड़ रुपये थी। पिछले साल की समान अवधि में यह रकम 22.1 लाख करोड़ रुपये थी। ऐसे में बैंक ने इस साल पिछले साल के मुकाबले डिपॉजिट में 15.8% की वृद्धि दर्ज की है। वहीं बैंक के डिपॉजिट में 30 सितंबर 2024 को 25 लाख करोड़ रुपये (2.5%) की वृद्धि हुई थी।

ग्रॉस एडवांस हुआ धीमा

बैंक का ग्रॉस एडवांस अपनी रणनीति के हिस्से के रूप में धीमा हो गया है। हालांकि इससे मार्जिन पर दबाव पड़ने की उम्मीद है क्योंकि कम वृद्धिशील डिपॉजिट को लोन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, तिमाही के दौरान अधिकांश डिपॉजिट वृद्धि टर्म डिपॉजिट से आई। वहीं एडवांस में गिरावट बैंक की कॉर्पोरेट लोन बुक में 10 फीसदी की गिरावट के कारण हुई। **कितना बढ़ा टर्म डिपॉजिट?**

31 दिसंबर 2024 तक बैंक में टर्म डिपॉजिट रकम बढ़कर 16.9 लाख करोड़ रुपये हो गई। यह 31 दिसंबर 2023 को 13.8 लाख करोड़ रुपये से 22.7 फीसदी और 30 सितंबर 2024 को 16.2 लाख करोड़ रुपये से 4.6 फीसदी अधिक है। **क्या है बैंक का प्लान?** बैंक का प्लान क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात को कम करना है। बैंक के एमडी और सीईओ शशिधर जगदीशन के मुताबिक, 'हम क्रेडिट-डिपॉजिट अनुपात को पहले की अपेक्षा अधिक तेजी से नीचे लाएंगे। वित्त वर्ष 25 में हम शायद सिस्टम की तुलना में धीमी गति से बढ़ेंगे। वित्त वर्ष 26 में हम सिस्टम की वृद्धि दर के बराबर या उसके आसपास हो सकते हैं। वित्त वर्ष 27 में हम सिस्टम की वृद्धि दर से अधिक तेज होंगे।'

ईजी माय ट्रिप का शेयर 8% चढ़ा:निशांत पिट्टी ने कहा था, अब और हिस्सेदारी नहीं बेचेंगे; अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर फोकस रहेगा

मुंबई ऑनलाइन ट्रैवल एग्रीगेटर ईजी माय ट्रिप प्लानर्स लिमिटेड के शेयरों में आज यानी, सोमवार (6 जनवरी) करीब 8% की तेजी है। इसके को-प्रमोटर निशांत पिट्टी ने पुष्टि की है कि आगे कोई हिस्सेदारी बिक्री नहीं होगी।

पिट्टी ने एक टीवी चैनल को इंटरव्यू में बताया कि पिछले हफ्ते उन्होंने व्यक्तिगत आवश्यकताओं के कारण 1.4% हिस्सेदारी बेची थी, लेकिन आगे वह, प्रशांत या रिकांत पिट्टी कंपनी में कोई और हिस्सेदारी नहीं बेचेंगे।

रिकांत पिट्टी को नया सीईओ बनाया गया हिस्सेदारी बिक्री के एक दिन बाद, पिट्टी ने कंपनी के सीईओ का पद छोड़ दिया था और रिकांत पिट्टी को नया सीईओ बनाया गया था। निशांत पिट्टी कंपनी के चेयरमैन बने रहेंगे। निशांत ने कहा कि वह कंपनी के लिए अंतरराष्ट्रीय विस्तार पर फोकस करना जारी रखेंगे।

निशांत पिट्टी बोले- तीनों भाइयों के बीच सब ठीक निशांत पिट्टी ने बताया कि तीनों भाइयों के बीच सब कुछ ठीक है और वह बोर्ड के चेयरमैन पद पर बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि हिस्सेदारी बिक्री से जुटाए गए फंड का इस्तेमाल ट्रैवल सेक्टर में निवेश के लिए किया जाएगा। पिट्टी ने कहा, कंपनी के बही-खाते में 400 करोड़ रुपए की नकदी भी है।

निशांत 14% हिस्सेदारी बेचने वाले थे, लेकिन 1.4% ही बेची ईज़ी ट्रिप के शेयर पिछले हफ्ते फोकस में थे जब निशांत पिट्टी ने सोमवार को घोषणा की थी कि वह कंपनी में अपनी शेष 14% हिस्सेदारी बेचकर कंपनी से बाहर निकल जाएंगे। हालांकि, उस हिस्सेदारी का केवल 1.4% ही बेचा गया और अगले दिन पिट्टी ने पद छोड़ दिया। **शुरुआती कारोबार में करीब 17% चढ़ गए थे** ईज़ी ट्रिप प्लानर के शेयर शुरुआती कारोबार में करीब 17% चढ़कर 18.25 रुपए पर कारोबार कर रहे थे, लेकिन वर्तमान में ये 8% बढ़कर 16.77 पर कारोबार कर रहे हैं। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 15.51 रुपए पर बंद हुए थे।

अमेजन-फ्लिपकार्ट पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई: चुनिंदा विक्रेताओं को फायदा पहुंचाने का आरोप

नई दिल्ली ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन और फ्लिपकार्ट पर आज (6 जनवरी) सुनवाई होगी। इन कंपनियों पर कॉम्पिटिशन कमिशन ऑफ इंडिया यानी CCI ने मार्केट कॉम्पिटिशन के नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। 3 दिसंबर 2024 को CCI ने सुप्रीम कोर्ट से दोनों कंपनियों पर लगे सभी मामलों को एक साथ कर्नाटक हाई कोर्ट में ट्रांसफर करने की मांग की थी। ताकि, अगल-अलग कोर्ट के निर्णय कंट्राडिक्टरी ना हों।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाते हुए CCI ने कहा था कि सैमसंग, वीवो और अन्य कंपनियां हाई कोर्ट की जांच को रोकने के उद्देश्य से अलग-अलग कोर्ट में चुनौतियां पेश कर रही हैं। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने कोर्ट से सैमसंग, वीवो, अमेजन और फ्लिपकार्ट के खिलाफ वेंडर्स की 23 शिकायतों पर सुनवाई करने का अनुरोध किया, ताकि मामले पर जल्द से जल्द फैसला हो सके। **अमेजन-फ्लिपकार्ट पर एंटीट्रस्ट-लॉ के उल्लंघन का आरोप**

मामला 2019 में CCI की जांच से जुड़ा है। कॉम्पिटिशन कमिशन ऑफ इंडिया ने जांच के बाद आरोप लगाया गया था कि अमेजन और फ्लिपकार्ट ने कुछ चुनिंदा सेलर्स को मार्केट में ज्यादा प्रायोरिटी दी। कंपनियों के इस गड़बड़ी के चलते भारत का ई-कॉमर्स मार्केट काफी डिस्टर्ब हो गया था। CCI की इन्वेस्टिगेटिव यूनिट ने जांच में पाया कि दोनों कंपनियों ने एंटी-ट्रस्ट लॉ का उल्लंघन किया है। इसके अलावा, रिपोर्ट में सैमसंग और वीवो जैसे स्मार्टफोन मैन्यूफैक्चरर्स के साथ स्पेशल ऑनलाइन लॉन्च के लिए मिलीभगत को उजागर किया गया। **कंपनियों ने किसी भी गड़बड़ी से इनकार किया था**

अमेजन और फ्लिपकार्ट को अपने व्यापारिक तौर-तरीकों को लेकर कई सालों से छोटे रिटेलर्स की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि प्लेटफॉर्म द्वारा दी जाने वाली भारी छूट और तरजीही व्यवहार के कारण उन्हें नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं अमेजन और फ्लिपकार्ट ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया है।

2019 में शुरू हुई थी CCI की जांच अमेजन और फ्लिपकार्ट के खिलाफ CCI की जांच 2019 में शुरू हुई थी, लेकिन इसमें कई बार देरी हुई है। मामले को चुनौती देने के लिए भारत भर में दायर 23 मुकदमों में से ज्यादातर में CCI पर अपनी जांच के दौरान उचित प्रोसेस का पालन नहीं करने का आरोप लगाया गया है।

चीन के वायरस की भारत में एंट्री से बाजार में दहशत, सेंसेक्स 1,200 अंक लुढ़का

चीन के वायरस की भारत में एंट्री हो गई है। बेंगलुरु में इसका पहला केस सामने आया है। इससे शेयर बाजार में हड़कंप मच गया। बीएसई सेंसेक्स में 1,100 से अधिक अंकों की गिरावट आई है। निफ्टी में लगभग 1.4% की गिरावट दिख रही है।

नई दिल्ली: चीन में वायरस के प्रकोप की खबरों के बीच बेंगलुरु में भारत का पहला एचएमपीवी मामला सामने आने आया है। इससे शेयर बाजार में हड़कंप मच गया। बीएसई सेंसेक्स में 1,100 से अधिक अंकों की गिरावट आई है। निफ्टी में लगभग 1.4% की गिरावट दिख रही है। सेंसेक्स सुबह तेजी के साथ खुला था लेकिन भारत में एचएमपीवी का पहला मामला सामने आने के साथ ही निवेशकों के हाथपांव फूल गए। मिड और स्मॉल-कैप शेयरों के साथ-साथ विभिन्न सेक्टर्स व्यापक बिकवाली के कारण इंडिया VIX में 13% की उछाल आई। सेंसेक्स 1,200 से अधिक अंकों की गिरावट के साथ 77,960 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 23,600 के स्तर के करीब लुढ़क गया। पीएसयू बैंक, रियल एस्टेट और ऑयल एंड गैस स्टॉक में सबसे ज्यादा गिरावट रही। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में सबसे ज्यादा 7% गिरावट रही जबकि बैंक ऑफ बड़ौदा, एचपीसीएल, बीपीसीएल, टाटा स्टील, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस तथा पीएनबी में 4-5% की गिरावट आई। एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) और कोटक महिंद्रा बैंक सेंसेक्स पर सबसे अधिक गिरावट वाले शेयरों में से थे। हफ्ते के पहले दिन निवेशक तीसरी तिमाही के परिणामों पर नजर रखने के साथ-साथ अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल और भू-राजनीतिक मुद्दों पर फोकस कर रहे थे कि भारत में HMPV का पहला मामला मिलने की खबर से उनके हाथपांव फूल गए। **क्यों गिरा बाजार** मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बेंगलुरु में एक 8 महीने के बच्चे में HMPV का पता चला है। आईसीएमआर ने भी दो मामलों की पुष्टि की है। इनमें 3 महीने की बच्ची और 8 महीने का बच्चा शामिल है। हालांकि स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि ये कोई नया वायरस नहीं है। मौसम में बदलाव के कारण ये केस बढ़ते हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों को आश्वस्त किया है कि चिंता का कोई कारण नहीं है। भारत विभिन्न चैनलों के माध्यम से वैश्विक HMPV स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार डॉ. वी. के. विजयकुमार ने कहा कि बाजार पर एफआईआई प्रवाह को प्रभावित करने वाले नकारात्मक कारकों और कुछ सकारात्मक घरेलू कारकों का प्रभाव पड़ने की संभावना है, जो बाजार को समर्थन दे सकते हैं।

अमेरिका में भीषण बर्फबारी से बिगड़े हालात, मौसम विभाग ने बर्फीले तूफान की दी चेतावनी

वॉशिंगटनः मध्य अमेरिका में भीषण बर्फीले तूफान के कारण कुछ क्षेत्रों में ''पिछले एक दशक में सबसे भारी बर्फबारी'' की आशंका है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कंसास और मिसौरी से लेकर न्यू जर्सी तक बर्फीले तूफान की चेतावनी जारी की है। मौसम सेवा ने रविवार को कहा, ''इस क्षेत्र के उन स्थानों पर जहां सबसे अधिक बर्फबारी होती है, वहां कम से कम एक दशक की सबसे भारी बर्फबारी हो सकती है।''

इन प्रांतों के लिए जारी हुई चेतावनी केंटकी, मैरीलैंड, मध्य इलिनोइस, वर्जीनिया, इंडियाना समेत कई प्रांतों के लिए चेतावनी जारी की गई है। बर्फबारी, सर्द हवा और लगातार गिरते तापमान के कारण देश के कुछ हिस्सों में यात्रा की स्थिति खतरनाक हो गई है। कंसास और इंडियाना के कुछ हिस्सों में बर्फबारी के कारण प्रमुख सड़कों पर बर्फ जम गई।

लोगों को यात्रा करने से बचने की सलाह इंडियाना में, इंटरस्टेट 64 और यूएस रूट 41 के कुछ हिस्से बर्फ से पूरी तरह ढक गए और इंडियाना स्टेट पुलिस ने मोटर चालकों से गैर-जरूरी यात्रा से बचने की अपील की। सार्जेंट टॉड रिंगल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, ''कृपया जब तक आवश्यक न हो, यात्रा करने से बचें।'' कंसास सिटी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा ने भीषण बर्फबारी के कारण शनिवार दोपहर को विमान परिचालन अस्थायी रूप से रोक दिया।

मौसम विभाग ने क्या चेतावनी दी मौसम विज्ञानियों ने कहा है कि सोमवार से देश के दो-तिहाई पूर्वी हिस्से में खतरनाक, हाड़ कंपा देने वाली ठंड होगी और सर्द हवाएं चलेंगी। वर्जीनिया के गवर्नर ग्लेन यंगकिन ने तूफान से पहले शुक्रवार शाम को आपात स्थिति की घोषणा की और 'एक्स' पर एक बयान में मंगलवार को होने वाले राज्य के विशेष चुनावों से पहले निवासियों को शनिवार को जल्दी मतदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इन इलाकों में भीषण बर्फबारी की आशंका इसी तरह की घोषणाएं कंसास, केंटकी, मैरीलैंड और मध्य इलिनोइस के कई शहरों में भी जारी की गईं। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने एनापोलिस क्षेत्र में लगभग 20 से 30 सेंटीमीटर बर्फबारी की आशंका जताई है। बाल्टीमोर में भी मौसम को लेकर चेतावनी जारी की गई और एजेंसियों को जरूरतमंद लोगों को आश्रय एवं अन्य जरूरी सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया गया।

कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो आज दे सकते हैं इस्तीफा, अपनी ही पार्टी के सांसदों ने किया मजबूर, कनाडाई मीडिया रिपोर्ट

कनाडाई मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो सोमवार को पार्टी नेता के पद से इस्तीफा दे सकते हैं। पीएम ट्रूडो को पार्टी के अंदर बड़े विद्रोह का सामना करना पड़ा है। ट्रूडो की गिरती लोकप्रियता के चलते लिबरल पार्टी के आधे से ज्यादा सांसद उन्हें हटाने की मांग कर रहे हैं।

ओटावाः कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो सोमवार (6 जनवरी) को लिबरल पार्टी के नेता के पद से इस्तीफा दे सकते हैं। कनाडाई मीडिया आउटलेट ग्लोब एंड मेल ने तीन सूत्रों के हवाले से रविवार को यह जानकारी दी है। सूत्रों ने ग्लोब एंड मेल को बताया कि वे नहीं जानते हैं कि ट्रूडो कब इस्तीफे की घोषणा करेंगे, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि बुधवार को होने वाली महत्वपूर्ण कॉकस बैठक से पहले ऐसा हो जाएगा। ग्लोब एंड मेल ने सूत्रों के नाम नहीं बताए हैं। प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को लिबरल पार्टी के अंदर बड़े विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है। लगभग आधे से ज्यादा सांसद ट्रूडो को नेता के पद से हटाने की मांग कर रहे हैं। अधिकांश सर्वे ने इस साल होने वाले चुनावों में ट्रूडो के नेतृत्व में पार्टी की हार की भविष्यवाणी की है। वहीं, पियरे पोलीवरे की कंजर्वेटिव पार्टी की जीत का अनुमान लगाया गया है। **बदनामी से बचने को खुद करेंगे ऐलान** प्रधानमंत्री ट्रूडो और पार्टी को बदनामी से बचाने के लिए लिबरल कॉकस की बैठक से पहले इस्तीफे की घोषणा देने की योजना बनाई गई है। हाल ही में प्रधानमंत्री से बात करने वाले एक सूत्र ने ग्लोब एंड मेल को बताया कि ट्रूडो को अहसास है कि लिबरल कॉकस की बैठक से पहले उन्हें एक बयान देना होगा, ताकि ऐसा न लगे कि उन्हें अपने ही सांसदों ने बाहर कर दिया है। **कौन लेगा ट्रूडो की जगह**? हालांकि, अभी तक यह नहीं पता है कि लिबरल पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने ट्रूडो की जगह पर किसे लाने का फैसला किया है। तीनों सूत्रों ने कहा कि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि ट्रूडो तत्काल प्रधानमंत्री पद छोड़ देंगे या नए नेता के चुने जाने तक ऑफिस में बने रहेंगे। इस मुद्दे पर फैसला लेने वाली लिबरल पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी इस सप्ताह कॉकस सत्र के बाद बैठक की योजना बना रही है।

ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर लगेगा बैन? सरकार ने दे दिया जवाब

डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून के मसौदे में बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग के लिए पैरेंट्स की 'सत्यापन योग्य सहमति' की मांग की गई है। आईटी सचिव एस कृष्णन ने बताया कि भारत में ऑस्ट्रेलिया की तरह पूर्ण प्रतिबंध पर विचार नहीं किया गया है। बिग टेक अनुपालन बढ़ा है और साइबर फ्रॉड पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

नई दिल्ली : सरकार ने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (DPDP) ऐक्ट के मसौदे में कई महत्वपूर्ण बातों का उल्लेख किया है। इसमें बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट के लिए पैरेंट्स की सहमति की भी बात कही गई है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या भारत में ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर बैन लगेगा। आईटी सचिव एस कृष्णन ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए इंटरव्यू में इससे इनकार किया। कृष्णन का कहना है कि डिजिटल व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा नियमों के मसौदे के माध्यम से माता-पिता से 'सत्यापन योग्य सहमति' लेने का सुझाव दिया है।

सोशल मीडिया फर्मों की तारीफ सोशल मीडिया फर्मों की तरफ से गैरकानूनी सामग्री को हटाने के बारे में कृष्णन ने बिग टेक की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि अनुपालन वास्तव में बहुत बढ़ रहा है, और कई, कई मामलों को ब्लॉक करने के सवाल से पहले ही निपटा दिया जाता है। वे इसे तुरंत करते हैं। अपने स्वयं के कम्युनिटी गाइडलाइंस या सरकार की तरफ से गैरकानूनी सामग्री पर दिए गए निष्कासन अनुरोधों के आधार पर, जिस समय सीमा के भीतर वे ऐसा करते हैं वह वास्तव में बहुत कम है... यह उल्लेखनीय रूप से बढ़ गया है।

सवालः डीपीडीपी कानून के तहत मसौदा नियमों में आपने बच्चों के सोशल मीडिया से जुड़ने पर अभिभावकों की 'सत्यापनीय सहमति' का सुझाव दिया है, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। क्या प्रतिबंध लगाने पर कभी विचार किया गया था? जवाब : ये ऐसी चीजें हैं जो हर समाज को खुद तय करनी होती हैं। और इसलिए यह एक सामाजिक बात है कि आप पहुंच को पूरी तरह से प्रतिबंधित करेंगे या नहीं। भारतीय संदर्भ में, ऑनलाइन भी बहुत कुछ सीखा जाता है। तो, अगर आप पूरी पहुंच को अवरुद्ध करते हैं, तो क्या यह एक अच्छा तरीका है? यह एक व्यापक सामाजिक बहस है। हम केवल इसकी तकनीक को कंट्रोल करते हैं, लेकिन किसके पास पहुंच होनी चाहिए और कैसे, यह ऐसी चीज है जिस पर बड़े पैमाने पर समाज को किसी तरह की आम सहमति बनानी होगी और फिर सरकार को इसे आगे बढ़ाने की जरूरत है।

सवाल : तो, क्या पूरी तरह से बैन की कोई योजना नहीं है? जवाबः मुझे नहीं लगता कि अभी तक किसी ने भी ऐसा सुझाव दिया है। जहां तक बैन का सवाल है, मुझे नहीं लगता कि इस पर चर्चा भी हुई है। मेरा मतलब है कि इस बात पर मुद्दे हैं कि आप (बच्चों को) नुकसान कैसे रोकें और नुकसान को रोकने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं। लेकिन, यह पूर्ण प्रतिबंध की सीमा तक नहीं गया है। सवाल : सरकार ने बार-बार बिग टेक से निपटने में निराशा व्यक्त की है और कहा है कि वे कंटेंट हटाने के अनुरोधों और आदेशों के प्रति कितने खुले हैं - या तत्पर हैं। क्या अनुपालन खराब हो रहा है या बेहतर हो रहा है?

जवाब : अनुपालन वास्तव में बहुत बढ़ रहा है, और कई, कई मामलों को ब्लॉक करने से पहले ही निपटा दिया जाता है। वे इसे तुरंत करते हैं। अपने स्वयं के सामुदायिक दिशा-निर्देशों या सरकार द्वारा गैरकानूनी सामग्री पर दिए गए निष्कासन अनुरोधों के आधार पर, जिस समय-सीमा के भीतर वे ऐसा करते हैं, वह पहले की तुलना में वास्तव में बहुत कम है। और जहां यह दो या तीन साल पहले था, उसकी तुलना में इसमें उल्लेखनीय रूप से वृद्धि हुई है। हटाए जाने वाली चीजों की संख्या, जिस समय-सीमा के साथ उन्हें हटाया जाता है, वह उल्लेखनीय रूप से बढ़ गई है। ये CSAM (बाल यौन शोषण सामग्री), विभिन्न प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने वाली किसी चीज़ जैसे मुद्दों पर हैं। वे कार्रवाई करते हैं और समय पर करते हैं।

सवाल : साइबर फ्रॉड एक बड़ी चिंता का विषय बन गया है, जिसमें लोग हजारों करोड़ रुपये गंवा रहे हैं। आज के समय में डिजिटल अरेस्ट जैसी नई घटनाएं सामने आ रही हैं। आप इस बारे में कितने चिंतित हैं?

जवाब : हम बहुत चिंतित हैं। सबसे पहले, मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहता हूँ कि साइबर गिरफ्तारी जैसी कोई चीज़ नहीं होती। किसी भी भारतीय कानून में साइबर गिरफ्तारी या डिजिटल गिरफ्तारी का कोई प्रावधान नहीं है। जागरूकता की कमी के कारण लोग, यहाँ तक कि

दुनिया का सबसे बड़ा गर्म रेगिस्तान जहां गिरती है बर्फ, जानें कितने देशों में है विस्तार

रेगिस्तान भले ही गर्म और शुष्क जलवायु वाला इलाका होता है। इसके बावजूद यह बड़ी मात्रा में सैलानियों को आकर्षित करता है। हर साल दुनिया में लाखों लोग अलग-अलग इलाकों में रेगिस्तान को देखने के लिए जाते हैं। इनमें से ही एक है दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे गर्म रेगिस्तान।

काहिराः दुनिया में कुछ ऐसी जगहें हैं जो लोगों के मन को मोह लेती हैं। ऐसा उनके आकार, सुंदरता या विशिष्टता के कारण हो सकता है। इनमें सोने की तरह चमकते रेत के टीले भी शामिल हैं, जो बरबस लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींच लेते हैं। अफ्रीका में कुल नौ रेगिस्तान हैं, लेकिन कोई भी सहारा जितना प्रसिद्ध नहीं है। सहारा दुनिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान है, जो 9,200,000 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यह क्षेत्रफल अमेरिका या चीन के आकार के बराबर है। सहारा पृथ्वी पर सबसे बड़ा गर्म रेगिस्तान भी है।

सहारा रेगिस्तान में कितने देश समाए हैं सहारा रेगिस्तान अफ्रीका क 11 देशों में फैला हुआ है। इनमें मोरक्को, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, लीबिया, मिस्र, पश्चिमी सहारा, मॉरिटानिया, माली, नाइजर, चाड और सूडान शामिल हैं। सहारा मुख्य रूप से अपने रेत के टीलों के लिए जाना जाता है, लेकिन इसमें चट्टानी पठार, नमक के मैदान और यहां तक कि पहाड़ भी हैं। इसकी सबसे ऊंची चोटी एमी कौसी है, जो चाड के तिबेस्टी पर्वत में 3,415 मीटर (11,204 फीट) ऊंचा ज्वालामुखी है।

सहारा रेगिस्तान में होती है बर्फबारी सहारा की जलवायु बहुत ही कठोर है। यहां दिन का तापमान 58 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जबकि रात का तापमान -6 डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। दिलचस्प बात यह है कि अपनी गर्म जलवायु के बावजूद, सहारा में बर्फबारी कोई नई बात नहीं है। 2018 में, अल्जीरिया में 15 इंच (40 सेमी) तक बर्फ गिरी, जो रेगिस्तान में एक दुर्लभ दृश्य है जहां आमतौर पर बर्फ बनने के लिए पर्याप्त नमी नहीं होती है।

सहारा में 600 फीट ऊंचे बर्फ के टीले सहारा के रेत के टीले भी वाकई शानदार हैं। कुछ की ऊंचाई लगभग 600 फीट (182 मीटर) है - जो स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी की ऊँचाई से लगभग दोगुनी है। हालांकि, सहारा सिर्फ अंतहीन रेत नहीं है। यहां 20 से ज्यादा झीलें हैं, हालांकि इनमें ज्यादातर खारे पानी की हैं। इसका अपवाद चाड झील है, जो स्थानीय समुदायों का भरण-पोषण करने वाली एक महत्वपूर्ण मीठे पानी की झील है।

सहारा रेगिस्तान का कैसे हुआ निर्माण रेगिस्तान की एकमात्र स्थायी नदी नील है, जो इसके उत्तरपूर्वी किनारे से होकर बहती है। आश्चर्यजनक रूप से, सहारा हमेशा बंजर नहीं था। लगभग 5,000 साल पहले, यह नदियों, झीलों और प्रचुर वन्य जीवन के साथ हरा-भरा था। वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी की धुरी में परिवर्तन के कारण रेगिस्तान बना, लेकिन कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि दूर के भविष्य में यह फिर से उपजाऊ हो सकता है। अपनी चरम स्थितियों के बावजूद, सहारा में लगभग दो मिलियन लोग रहते हैं। कई खानाबदोश हैं जो मौसम के साथ चलते हैं, जबकि अन्य जल स्रोतों के पास स्थायी बस्तियों में रहते हैं।

थलसेना, नौसेना और वायुसेना... पाकिस्तान कैसे कर रहा फौज को अपग्रेड, निशाने पर सिर्फ भारत

पाकिस्तान की सेना देश की राजनीति का एक महत्वपूर्ण घटक बनी हुई है, लेकिन अर्थव्यवस्था के कमजोर होने के बावजूद, एक चीज जो रुकी नहीं है, वह है देश का सैन्य आधुनिकीकरण। पाकिस्तानी नौसेना क्षेत्र से लेकर पाकिस्तानी वायुसेना तक, आधुनिकीकरण का तेज कार्यक्रम चल रहा है, जिसके निशाने पर भारत है।

***इस्लामाबादः** पाकिस्तान तेजी से अपनी सेना का आधुनिकीकरण कर रहा है। कमजोर अर्थव्यवस्था भी इस काम में पाकिस्तान के आड़े नहीं आ रही है। नौसेना से लेकर वायुसेना और थल सेना तक आधुनिकीकरण का कार्यक्रम जतेजी से चल रहा है। पाकिस्तान एक ऐसी फौज बनाना चाहता है तो भारत का मुकाबला कर सके। दरअसल, पाकिस्तान ने आजादी के बाद से चार बार युद्ध लड़ चुका है और हर बार उसे मुंह की खानी पड़ी है। 1971 में तो उसे पूर्वी पाकिस्तान को खोना पड़ा था, जिस दौरान पाकिस्तानी सेना का आत्मसमर्पण पूरी दुनिया के लिए रिकॉर्ड बन गया।*

पाकिस्तानी नौसेना का आधुनिकीकरण

पाकिस्तान अगले दशक तक अपनी नौसेना को 50 जहाजों वाली सेना में बदलने की योजना बना रहा है, जिसमें 20 प्रमुख युद्धपोत शामिल हैं। पाकिस्तानी नौसेना बेड़े का विस्तार चीन, तुर्की और रोमानिया के साथ साझेदारी पर टिका है। पाकिस्तान ने अपतटीय गश्ती जहाजों के लिए रोमानिया में डेमन शिपयार्ड जैसे विदेशी जहाज निर्माताओं के साथ अपने बेड़े के आधुनिकीकरण की पहल की है। वह चीन से उन्नत हैंगोर-क्लास पनडुब्बियां, तुर्की से मिलगेम-क्लास कोरवेट और पहली बार स्वदेशी जिन्ना-क्लास फ्रिगेट खरीदने जा रही है। ***पाकिस्तानी थलसेना का आधुनिकीकरण*** *पाकिस्तानी थलसेना रक्षा बजट का सबसे बड़ा हिस्सा खर्च करती है। इसके अलावा सेना द्वारा चलाए जा रहे बिजनेसों से होने वाली आय का एक बड़ा हिस्सा भी आधुनिकीकरण पर खर्च किया जा रहा है। पाकिस्तान ने कुछ वर्ष पहले ही चीन से वीटी-4 टैंक खरीदे हैं। इसके अलावा उसने चीन से मिसाइलें और तुर्की से रिकॉनसेंस ड्रोन की खरीद की है। पाकिस्तानी सेना रूस के साथ भी अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत कर रही है।* ***पाकिस्तानी वायुसेना का आधुनिकीकरण*** *हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान कथित तौर पर 40 चीनी जे-35 स्टील्थ फाइटर जेट खरीदने की योजना बना रहा है। इसे पाकिस्तान की हवाई क्षमता में एक बड़ी उड़ान मानी जा रही है। J-35 चीन के शेनयांग एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन द्वारा विकसित पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर जेट हैं। इन लड़ाकू विमानों का उद्देश्य पाकिस्तान के पुराने हो रहे अमेरिकी F-16 और फ्रेंच मिराज लड़ाकू विमानों के बेड़े की जगह लेना है। हालांकि चीन की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन इस सौदे को लेकर अटकलें काफी हैं।* ***पाकिस्तान-चीन साझेदारी*** *पाकिस्तान और चीन के बीच घनिष्ठ संबंध हैं, जो कि सर्वविदित है। जबकि भारत और चीन के संबंधों में सकारात्मक गति देखी गई है, इसका मतलब यह नहीं है कि इस्लामाबाद और बीजिंग सैन्य साझेदारी या ऐसे संबंधों को छोड़ देंगे जो 'पहाड़ों से भी ऊंचे और महासागरों से भी गहरे' हैं।*

अनन्या को पसंद नहीं रिश्तों में सिचुएशनशिपःजानें जनरेशन Z का ये रिश्ता क्या कहलाता है

कुछ दिन पहले खबर आई कि चर्चित एक्ट्रेस अनन्या पांडे और एक्टर आदित्य रॉय कपूर 'सिचुएशनशिप' में हैं, यानी वे दोनों एक-दूसरे को बिना कमिटमेंट डेट कर रहे हैं। दोनों साथ रहते, घूमते, खाते-पीते हैं। लेकिन उन्होंने एक-दूसरे के साथ जीवन बसाने का कोई वादा नहीं किया है।

ये चर्चा खुद आदित्य रॉय कपूर ने शुरू की थी। 'कॉफी विद करण' शो में उन्होंने अनन्या के साथ सिचुएशनशिप में होने की बात कही थी। हालांकि अब अनन्या ने इससे इनकार किया है और कहा है कि उन्हें 'सिचुएशनशिप' से नफरत है और वो नए डेटिंग कॉन्सेप्ट्स पर यकीन नहीं रखतीं।

एक इंटरव्यू में अनन्या ने सिचुएशनशिप और डेटिंग से साफ इनकार करते हुए कहा कि मुझे यह टर्म भी पसंद नहीं है। साथ ही न तो मैं किसी डेटिंग एप पर हूं और न ही सोशल मीडिया पर अपने रिलेशनशिप की चर्चा करती हूं। मैं उनमें से नहीं हूं जो सिर्फ सोशल मीडिया पर दिखाने के लिए अलग रिलेशनशिप स्टेटस रखेगा।

अनन्या-आदित्य के रिश्ते के बहाने एक बार फिर सिचुएशनशिप जैसे नए डेटिंग कॉन्सेप्ट पर बहस छिड़ गई है। आज के युवा 'दो दिल और एक जान' वाली ट्रेडिशनल लव स्टोरी और शादी के साथ हैप्पी एंडिंग वाले कॉन्सेप्ट से काफी आगे निकल आए हैं। इनकी लव डिक्शनरी में ग्रुप डेटिंग, ब्लाइंड डेटिंग, फ्रेंड्स विद बेनिफिट और शो-ऑफ डेटिंग जैसे तमाम शब्द शामिल हैं।

आज रिलेशनशिप कॉलम में हम बीते साल '2023' में चर्चा में रहे ऐसे कुछ नए डेटिंग कॉन्सेप्ट्स की बात करेंगे और जानेंगे कि नई पीढ़ी की लव और सेक्स लाइफ में क्या कुछ नया ट्रेंड चल रहा है।

रिलेशनशिप की दुनिया में हर दिन नए-नए प्रयोग हो रहे हैं। नए कॉन्सेप्ट की चर्चा होती रही है। नई पीढ़ी अपनी रोमांटिक और सेक्शुअल डिजायर को एक्सप्लोर करने के लिए इनका सहारा लेती है और डेटिंग ऐप्स युवाओं की इस सोच को भुनाते हैं। यहां रिश्ता कम और एडवेंचर की सोच ज्यादा होती है।

फ्रेंड्स विद बेनिफिट- यह एक तरह का कैजुअल रिश्ता होता है। जिसमें दो दोस्त आपसी सहमति से सेक्शुअल रिलेशनशिप में आते हैं। ऐसी स्थिति में उनके बीच किसी तरह की रोमांटिक फीलिंग्स नहीं होतीं। वो सिर्फ शरीर की जरूरतों को पूरा करने के लिए साथ आते हैं। रिश्ते के बाकी डायमेंशन में वो दोनों दोस्त की तरह ही होते हैं।

ग्रुप डेटिंग- इस तरह की डेटिंग में पार्टनर्स दो से ज्यादा हो सकते हैं। इसमें पार्टनर्स का एक ग्रुप होता है, जो एक-दूसरे के साथ रहकर रिश्ते की संभावनाएं तलाशते हैं। ग्रुप में किसी को पता नहीं होता कि कौन किसके साथ रिश्ते में आएगा या आ सकता है। कॉलेज-यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स में इस तरह का डेटिंग ट्रेंड ज्यादा देखा जाता है।

ऑनलाइन डेटिंग- इस तरह की डेटिंग में दो दिलों का प्यार इंटरनेट की दुनिया तक ही सीमित रहता है। दोनों पार्टनर्स अपनी बाउंड्री समझते हैं। संभव है कि ऑनलाइन डेटिंग करने वाले दो लोग सामने से मिलने पर किसी तरह की रोमांटिक बातें न करें। इस तरह की डेटिंग का सहारा शर्मीले लोग लेते हैं। कई डेटिंग एप्स खासतौर से ऑनलाइन डेटिंग का विकल्प देते हैं।

शो-ऑफ डेटिंग- डेटिंग दिल लगाने और घर बसाने की कवायद के अलावा एक स्टेटस सिंबल की तरह भी होता है। किसी के पास गर्लफ्रेंड या बॉयफ्रेंड है तो यूथ सर्कल में उसका रुतबा ऊंचा माना जाता है।

कई बार परिवार या दोस्तों के सामने खुद को साबित करने के लिए भी शो-ऑफ डेटिंग का सहारा किया जाता है। यह असल डेटिंग नहीं होती, इसमें कोई दो पार्टनर्स सिर्फ डेटिंग का दिखावा करते हैं। चीन और जापान में इस तरह की डेटिंग काफी पॉपुलर है। जहां किराए पर गर्लफ्रेंड या बॉयफ्रेंड लेकर युवा शो-ऑफ डेटिंग करते हैं।

ब्लाइंड डेटिंग और फ्रेंड सेटअप- ये दोनों रैंडम डेटिंग मेथड हैं। इसमें कोई डेटिंग ऐप या एजेंसी दो लोगों को मिलाते हैं। इसमें लोगों को पता नहीं होता कि उनको बतौर पार्टनर कौन मिलने वाला है। कई बार कॉमन फ्रेंड के जरिए भी पार्टनर ढूंढा जाता है। इसे फ्रेंड सेटअप कहा जाता है। यह भी एक तरह की ब्लाइंड डेटिंग ही है। इस तरह की डेटिंग में युवा मैच मेकिंग के लिए दूसरों के भरोसे रहते हैं। 'सिचुएशनशिप' और नए डेटिंग कॉन्सेप्ट्स के मायने क्या हैं रिश्ते के पुराने और सरल रास्ते से इतर नए-नए डेटिंग कॉन्सेप्ट्स के क्या मायने हैं और युवा इनकी तरफ क्यों आकर्षित हो रहे हैं। यही सवाल हमने रिलेशनशिप कोच डॉ. अंजलि से किया तो वह बताती हैं कि इनका नाम भले ही 'डेटिंग कॉन्सेप्ट्स' हो लेकिन ये ट्रेडिशनल डेटिंग नहीं है।

नई उम्र के लोग अपनी सेक्शुअल और रोमांटिक फीलिंग्स को एक्सप्लोर करते हैं। कुछ मायनों में ये चीजें पहले भी मौजूद रही हैं। लेकिन उन्हें खास नाम नहीं दिया गया था। ऐसे किसी रिश्ते को एक शब्द में 'अनैतिक' कह दिया जाता था। लेकिन एक ऐसे वक्त में जब दुनिया भर के लगभग 20 करोड़ लोग डेटिंग ऐप यूज कर रहे हैं और उसका कारोबार हजारों करोड़ का है, डेटिंग ऐप्स अपने यूजर्स की छोटी-छोटी जरूरतों को भी भुनाने की कोशिश करते हैं। यही वजह है कि हाल के दिनों में इस तरह के नए-नए डेटिंग कॉन्सेप्ट्स चर्चा में आ रहे हैं।

क्या नए डेटिंग कॉन्सेप्ट्स तोड़ देंगे रिश्ते की पुरानी मर्यादा डॉ. अंजलि की मानें तो इसकी आशंका कम ही है। इस तरह के कॉन्सेप्ट्स आमतौर पर टीनएजर्स में ही प्रचलित हैं। संभव है कि ज्यादातर लोग पहली बार इतने सारे डेटिंग कॉन्सेप्ट के नाम सुन रहे हों। इन तमाम कवायदों से इतर शादी को अभी भी एक पवित्र बंधन की तरह देखा जाता है। शादी के लिए मैच मेकिंग में नए डेटिंग कॉन्सेप्ट काम भी नहीं करते।

नए साल का आपका हेल्थ रेजोल्यूशन क्या है : हेल्दी खाना, पसीना बहाना, गहरी नींद सोना, खूब प्यार करना और खुश रहना

ये 1990 की बात है। मेरे साथ स्कूल में पढ़ने वाली एक समृद्ध परिवार की लड़की घर के पास एक जनरल स्टोर में मिल गई। पूछने पर पता चला कि मम्मी ने उसे डालडा का पैकेट लेने भेजा है। धमकी ये थी कि नहीं लेकर आओगी तो कल लंच में सरसों के तेल में बने पराठे खाने पड़ेंगे। वो फ्रॉक और हवाई चप्पल में दौड़कर डालडा घी खरीदने दुकान पर पहुंच गई थी। उसकी बात सुनकर मुझे लगा कि डालडा घी कोई एग्जॉटिक फूड है। सिर्फ अमीर लोग ही इसे खाना अफोर्ड कर सकते हैं। हमारे घर में वो खूबसूरत चमकीले हरे प्लास्टिक वाला डालडा घी का पैकेट कभी नहीं आया, जिस पर हरे रंग का पाम ट्री का चित्र बना होता था। मेरे जिद करने पर पैरेंट्स कहते, "वो नकली है। फैक्ट्री में बना है। उसे खाकर तबीयत खराब हो जाएगी।" उस नादान उम्र में मुझे लगता था कि अपनी गरीबी छिपाने का ये उनका बहाना है। सच तो ये है कि उनके पास डालडा खरीदने के पैसे ही नहीं है। इसलिए हम गंदे सरसों के तेल की महक वाला खाना खाते हैं। अब फास्ट फॉरवर्ड करते हैं और आते हैं 2021 में। मैं एक अमेरिकन जर्नलिस्ट और राइटर माइकल पॉलन की किताब पढ़ रही थी, 'इन डिफेंस ऑफ फूड।' इसमें वो लिखते हैं, "60 के दशक में जब पहली बार टेलीविजन पर वनस्पति घी के विज्ञापन आने शुरू हुए तो खाने के टेबल पर बैठी मेरी दादी गुस्से में कहतीं, ये प्लास्टिक का घी है। ये पेट में चिपक जाएगा।" न मेरे माता-पिता, न माइकल पॉलन की दादी डॉक्टर थे। लेकिन फिर भी अपने सहज बोध से वो ये बात जानते थे कि जो प्रकृति में नहीं उगा, जो फैक्ट्री में मशीनों के जरिए बनाया जा रहा है, वो फूड नकली है। आप नकली प्लास्टिक की गुड़िया से खेल सकते हैं, उससे बनी साइकिल चला सकते हैं, प्लास्टिक की कुर्सी पर बैठ भी सकते हैं, लेकिन आप उस नकली चीज को अपने पेट के अंदर नहीं डाल सकते। वो नुकसान करेगा। बीमारियां पैदा करेगा। डालडा एक डच कंपनी ने भारतीय बाजार में लांच किया, जो देशी घी का सस्ता सब्स्टीट्यूट था। लेकिन विज्ञापन की ताकत देखिए कि जो अमीर लोग सचमुच में देशी घी खाना अफोर्ड कर सकते थे, उनके घरों में भी डालडा आने लगा क्योंकि टेलीविजन के विज्ञापन में आने वाली सुंदर महिला बताती कि ये सेहत के लिए फायदेमंद है। टेलीविजन हमारे दिमागों को मैनिपुलेट करने में सफल था। वो आज भी सफल है। 40 की उम्र में 25 की नवयुवती की तरह खूबसूरत और स्वस्थ दिखने वाली कटरीना कैफ टीवी पर हेल्दी बताकर जिस रिफाइंड ऑयल का विज्ञापन करती हैं, वो तेल वो खुद कभी नहीं खातीं क्योंकि उन्हें पता है कि यह अनहेल्दी पाम ऑयल है। आमिर और सलमान खान जिस कोका कोला को पाने के लिए पहाड़ चढ़ जाते हैं, अपनी निजी जिंदगी में वो उसे हाथ भी नहीं लगाते। वे जानते हैं कि ये शुगरी ड्रिंक्स उनकी सेहत के साथ क्या खेल करेंगे। मैं जिस इलाके में रहती हूं, पिछले कुछ दिनों से वॉक करते हुए मैंने एक चीज नोटिस की है। यहां पर तकरीबन हर दस कदम पर एक फास्ट फूड ज्वॉइंट है और हर पंद्रह कदम पर एक अस्पताल। सिर्फ दो किलोमीटर की दूरी तय करते हुए मैं 7 हॉस्पिटल्स और 22 फास्ट फूड जॉइंट्स के सामने से गुजरती हूं। क्या आपको लगता है कि इन दोनों में कुछ संबंध है। ज्यादा दूर क्यों जाना, आज से महज 20 साल पहले क्या आपके शहर में इतने हॉस्पिटल होते थे। हर पांच-छह किलोमीटर पर एक हलवाई की दुकान जरूर हुआ करती थी, जहां हद से हद समोसा-जलेबी मिल जाता था। बाकी लोग अधिकांशतः घर के बने खाने पर ही निर्भर थे। डॉ. रॉबर्ट लस्टिग अपनी किताब 'मेटाबॉलिकल' में अमेरिका के बारे में भी कुछ ऐसे ही आंकड़े पेश करते हैं। वे लिखते हैं, "40 सालों के अपने मेडिकल कॅरियर में मैंने कभी इतने बच्चों को ओबिसिटी और हाइपरटेंशन से पीड़ित नहीं देखा।" वे लिखते हैं, "अगर आप अपनी सेहत को लेकर सचेत नहीं हैं और अपने पेट में खराब खाना डाल रहे हैं तो इससे सबसे ज्यादा फायदा हम डॉक्टरों और फार्मा कंपनियों का है। आप हमारे सबसे आसान शिकार हैं।" पिछले कुछ सालों से मैं अपनी सेहत को लेकर उतनी ही सचेत हूं, जितनी किसी सुनसान सड़क से गुजरते हुए मेरी मां अपने गले में पड़ी सोने की चेन को लेकर होती हैं। कीमती चीज है, कहीं लुट न जाए।

पिछले कुछ समय में मैंने डॉ. रॉबर्ट लस्टिग की किताब 'मेटाबॉलिकल' किसी धर्मग्रंथ की तरह बांची है। आज मैं आपको अच्छी सेहत के वो पांच बुनियादी सबक बता रही हूं, जो इस किताब से मैंने सीखे। ये नए साल का मेरा हेल्थ रेजोल्यूशन भी है। आपका हेल्थ रेजोल्यूशन क्या है ? एक स्वस्थ शरीर पाना कोई रॉकेट साइंस नहीं है। इसकी बुनियाद बहुत आसान है। सिर्फ जरूरत है उसे समझने और अनुशासन के साथ पालन करने की। यही स्वस्थ मन, जीवन और शरीर का मूलमंत्र है। डॉ. लस्टिग लिखते हैं कि हमने सुबह नाश्ते में क्या खाया, इससे हमारा पूरा दिन तय होता है। आप दफ्तर में कितना अटेंटिव होकर काम कर पाएंगे, कितनी चिड़चिड़ाहट और गुस्सा महसूस करेंगे, बॉस की बातों से कितनी नाराजगी होगी, कितना सुख और कितनी निराशा, ये इस पर निर्भर है कि हमने खाने में क्या खाया। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल अब तक ऐसी 14 स्टडीज कर चुका है, जो अलग-अलग रूपों में वॉकिंग यानी पैदल चलने के फायदे गिनाती हैं। डॉ. लस्टिग अपनी किताब में लिखते हैं कि पचास हजार सालों से इस धरती पर मनुष्य का जीवन कठोर शारीरिक श्रम का जीवन रहा है। सिर्फ दो वक्त का भोजन जुटाने के लिए इंसान को बहुत पसीना बहाना पड़ता था। हमारे पूर्वजों के पास स्विगी और जोमैटो नहीं थे, जो एक क्लिक पर खाना घर आ जाता। ये हमारे शरीर का इवोल्यूशनरी डिजाइन है कि इसे मेहनत की जरूरत है। ये इसकी नैचुरल ड्यूटी है। जैसे आंखों का काम है देखना। अगर किसी पैदा हुए बच्चे की आंख पर पट्टी बांध दी जाए तो वह अंधा हो जाएगा। वैसे ही हमारी शरीर रूपी ये मशीन अगर मेहनत न करे तो जंग खा जाएगी। वो लिखते हैं कि अगर आप रोज दौड़ते हैं, पसीना बहाते हैं, मेहनत करते हैं तो आप अस्पतालों और फार्मा कंपनियों के लिए यूजलेस हैं। आपको उनकी जरूरत नहीं पड़ेगी। डॉ. लस्टिग नींद को स्वस्थ जीवन की पांच बुनियादों में से एक बताते हैं। अगर आप ऊपर दी गई दोनों चीजों को फॉलो करते हैं, लेकिन पर्याप्त नींद नहीं लेते तो आप डॉक्टरों के काम आ सकते हैं। वर्ष 2019 में ब्रिटिश कोलंबिया मेडिकल जर्नल में छपी एक स्टडी में पाया गया कि जो लोग वजन घटाने के लिए लंबा वर्कआउट करने के बाद भी रोज 7 घंटे की नींद नहीं लेते थे, वो वेट लॉस में नाकाम थे। रिसर्चर्स ने पाया कि हमारा वजन वर्कआउट के दौरान नहीं, बल्कि उसके बाद नींद में घटता है, जब हमारे ग्रोथ हॉर्मोन सक्रिय होते हैं। डॉ. मार्क हाइमन अपने एक संस्मरण में लिखते हैं कि जब मैं वर्कोहलिक हुआ करता था तो मुझे लगता था कि सोना समय की बर्बादी है। बाद में मेडिकल स्कूल जाकर मुझे समझ आया कि नींद में भी हमारा शरीर दरअसल सो नहीं रहा होता। वो अपनी ड्यूटी कर रहा होता है यानी दिन भर की डैमेज्ड सेल्स को रिपेयर करना और शरीर को अगले दिन के लिए तैयार करना। इसलिए अच्छी नींद लग्जरी या समय की बर्बादी नहीं, बल्कि जरूरत है। फिल्म 'क्वीन' का एक बड़ा पॉपुलर डायलॉग है- "गुप्ता अंकल ने तो कभी शराब भी नहीं पी, फिर भी उन्हें कैंसर हो गया। इससे अच्छा तो पी ही लेते।" अकसर हमारे आसपास ऐसे लोगों को भी गंभीर बीमारी हो जाती है, जिनकी लाइफ स्टाइल बहुत सात्विक रही हो। इसका क्या कारण हो सकता है? इस सवाल का जवाब डॉ. लस्टिग के साथ डॉ. गाबोर माते की किताब 'व्हेन द बॉडी सेज नो' में मिलता है। आपने हेल्दी खाया, पसीना बहाया, अच्छी नींद सोए। लेकिन इतना काफी नहीं है।

गंदे रजाई-कंबल हैं बैक्टीरिया का घर : हो सकता है स्किन इंफेक्शन, खुजली-सिरदर्द

सर्दियों में ठिठुरन से बचने के लिए हम फटाफट रजाई-कंबल में घुस जाते हैं। बिस्तर पर जाते ही कंबल-रजाई की गरमाहट से कुछ ही मिनटों में नींद आने लगती है। लेकिन इस पुरसुकून नींद में खोने से पहले ये तो जान लीजिए कि जिस रजाई-कंबल में आप सुकून भरी सांस ले रहे हैं, घंटों तक उसमें सो रहे हैं, वो आपकी सेहत के लिए कितना खतरनाक हो सकता है। आप जितना सोचते हैं, जरूरी नहीं कि आपका बिस्तर उतना ही साफ हो। दरअसल सर्दियां शुरू होने से लेकर लगभग 3-4 महीने तक हम लगातार एक ही रजाई-कंबल ओढ़ते हैं। लेकिन इस रजाई-कंबल को हम रोजमर्रा के कपड़ों की तरह हर दूसरे-चौथे दिन साफ नहीं करते हैं। क्योंकि ये वजन में भारी, साइज में बड़े और तेज धूप न निकलने की वजह से जल्दी सूख नहीं पाते हैं। रेगुलर इस्तेमाल होने की वजह से इनमें बैक्टीरिया और जर्म्स पनपने लगते हैं। इसलिए रजाई-कंबल समेत विंटर वियर स्वेटर, शॉल की साफ-सफाई और रख-रखाव बहुत जरूरी होता है। बिना साफ-सफाई के ये बीमारी की वजह बन सकते हैं।

लंबे समय तक रेगुलर रजाई-कंबल को बनि साफ कए ओढ़ने से हेल्थ रिलेटेड कई इश्यूज हो सकते हैं। रजाई-कंबल में मौजूद धूल से फंगल या बैक्टीरियल इन्फेक्शन होने का खतरा भी हो सकता है। सर्दियों में लंबे समय तक बिना बार-बार साफ किए कंबल-रजाई इस्तेमाल करने से स्वास्थ्य किस तरह से प्रभावित हो सकता है? हम कंबल-रजाई सर्दियां शुरू होने से पहले एक बार ही धोते, धूप दिखाते हैं और उसके बाद पूरे सीजन उसे ही इस्तेमाल करते रहते हैं। उसी में हम सांस लेते हैं, गर्म होने पर कई बार पसीना भी होता है। साथ ही वातावरण में मौजूद धूल के कण भी उसमें इकट्ठा होने लगते हैं। इससे रजाई-कंबल में फंगस ग्रो करने लगता है। फंगस आंखों से देखने पर नजर तो नहीं आते हैं, लेकिन वे मौजूद होते हैं और उससे फंगल या बैक्टीरियल इन्फेक्शन होने का खतरा बढ़ जाता है। रजाई-कंबल इस्तेमाल करने के बाद हम उन्हें फोल्ड करके रख देते हैं, जिससे उनमें नमी आने लगती है। नमी पाकर फंगस तेजी से बढ़ते हैं। ये फंगस लोगों के कपड़ों पर आ जाते हैं। एक से दूसरे में भी ट्रांसमिट होने लगते हैं, जिससे स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम हो सकती है। साथ ही अगर हम फंगस को इन्हेल करते हैं तो रेस्पिरेटरी प्रॉब्लम भी हो सकती है। रजाई-कंबल का पॉल्यूशन गाड़ी से निकलने वाले धुएं जितना ही खतरनाक हो सकता है। गाड़ी और फैक्ट्रियों के धुएं में जहरीले केमिकल होते हैं। जबकि गंदे-रजाई कंबल में शरीर को तुरंत और गंभीर बीमारी देने वाले वायरल बैक्टीरिया। सांस की बीमारी से जूझ रहे लोग ध्यान दें- अगर कसि व्यक्त िको बुखार, एलर्जी या इन्फेक्शन हुआ है तो बीमारी ठीक होने के बाद रजाई या कंबल को धोकर ही दोबारा यूज करना चाहिए। नहीं तो इन्फेक्शन एक व्यक्त िसे दूसरे में फैल सकता है। कंबल या रजाई में लेटते ही अगर नीचे लिखे लक्षण दिखाई दें तो समझ जाइए क ि रजाई-कंबल गंदा है और इसी से इन्फेक्शन हुआ है। इन लक्षणों को एक-एक करके समझते हैं- रात के समय शरीर में खुजली होने लगे। लेटने के तुरंत बाद खांसी या छींक आनी शुरू हो जाए। सुबह-सुबह शरीर में दर्द हो, बुखार महसूस हो। शरीर पर छोटे-छोटे दाने, चकत्ते उभर आए हों। गले में दर्द या इन्फेक्शन हुआ हो। कंबल या रजाई को अब डेली तो धुल नहीं सकते हैं, ऐसे में इनसे होने वाली बीमारियों से कैसे बचें? बीमारयिों से बचने के टप्सि को नीचे लगे ग्राफिक से समझते हैं- कंबल-रजाई को धूप दिखाने से क्या फायदा होता है?

धूप दिखाने से कंबल-रजाई के सारे बैक्टीरिया और किसी भी तरह की स्मेल दूर हो जाती है। इस ट्रिक से आपके बिस्तर खुद ब खुद जर्म्स फ्री हो जाते हैं। 3 से 5 घंटे की सीधी और कड़ी धूप रजाई की ऊपरी सतह के सूक्ष्म जीवों को मार सकती है। रजाई-कंबल को कितनी देर धूप दिखाने से वह पूरी तरह साफ होंगे, यह उसकी मोटाई, गंदगी और धूप की तेजी पर निर्भर करता है। सर्दियों में कंबल-रजाई को समय-समय पर साफ करना बेहद जरूरी है। ऐसा करके इससे होने वाली स्किन रिलेटेड परेशानियों और इन्फेक्शन से काफी हद तक बचा जा सकता है। तो रजाई-कंबल की क्लीनिंग टिप्स को एक-एक करके समझते हैं- कंबल या रजाई को साफ करने के लएि हर सुबह उसे झाड़कर फोल्ड करें। बेडरूम में अगर धूप आती है तो खिड़की-दरवाजों को सुबह के समय खोल दें। लाइट वेट कंबल-रजाई को हर हफ्ते एक बार धो लें और धूप में सुखाएं। साफ करने के लिए गुनगुने पानी में वनिेगर और नींबू या डेटॉल डालकर धो सकते हैं। घर में एक्स्ट्रा कंबल-रजाई की व्यवस्था रखें ताकि इमरजेंसी में ठंड से बच सकें।

पढ़ाई जितना जरूरी बच्चों का घूमना-फिरनाःसिर्फ किताबें रटने वाले बच्चों से आगे फैमिली के साथ घूमने-फिरने वाले बच्चे

3 दिन पहले 'बच्चा पढ़ने में खूब तेज है, स्कूल से सीधे घर आता है और फिर कोचिंग की तैयारियों में जुट जाता है। घूमने-फिरने के चक्कर में नहीं पड़ता।' लंबे समय से ऐसे शब्द 'अच्छे बच्चों' के लिए कहे जाते रहे हैं। लेकिन बच्चों को कथित रूप से अच्छा बनाकर उन्हें घर-स्कूल तक सीमित रखा जाए तो उनके करियर में पिछड़ने की आशंका बढ़ जाती है। दूसरी ओर देश-दुनिया की सैर करने वाले बच्चे करियर और जिंदगी में बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

ये बातें किसी ट्रैवल एजेंसी के विज्ञापन में नहीं लिखीं। एकेडमिक जर्नल 'साइंस डायरेक्ट' की रिसर्च में साबित हुई हैं। भारत में हुई 'Expedia' एक रिसर्च भी बताती है कि फैमिली के साथ घूमने वाले बच्चों का परिवार के साथ रिश्ता मजबूत होता है। ब्रिटिश चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट डॉ. मार्गोट संडरलैंड ने कम से कम 6 ऐसी किताबें लिखी हैं, जिसमें उन्होंने बच्चों के पर्सनल, सोशल और प्रोफेशनल डेवलपमेंट के लिए उनके घूमने-फिरने को काफी अहम बताया है। पिछले कुछ सालों में, खासतौर से कोविड महामारी के बाद एजुकेशन सेक्टर में एक नया कॉन्सेप्ट सामने आया, जिसे 'एजुकेशन विदाउट स्कूलिंग' का नाम दिया गया है। देश में पहली बार बड़े पैमाने पर इस कॉन्सेप्ट की चर्चा साल 2022 की शुरुआत में हुई, जब पुणे की रहने वाली आईटी प्रोफेशनल अनीका सोनवणे ने अपने 6 साल के बेटे प्रांस को स्कूल से निकालकर ट्रैवलिंग के जरिए आगे पढ़ाने का फैसला किया। इसके लिए उन्होंने खुद की नौकरी छोड़ दी और सारी जमा-पूंजी भी लगाई। दरअसल, कोविड के दौरान अनीका को महसूस हुआ कि उनका बच्चा ऑनलाइन क्लास में ज्यादा कुछ सीख नहीं रहा है और वह बाहर निकलकर लोगों के साथ सोशलाइज होने से भी घबराता है। अनीका सोनवणे अपने 6 साल के बेटे प्रांस के साथ अनीका सोनवणे अपने 6 साल के बेटे प्रांस के साथ ऐसे में लॉकडाउन खत्म होते ही अनीका ने 3 महीने का एक ट्रिप प्लान किया। इस ट्रिप में वो अपने बेटे के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में गईं। ट्रिप खत्म होने के बाद उन्होंने पाया कि उनका बेटा सिर्फ स्कूल जाने वाले किसी भी बच्चे के मुकाबले ज्यादा जानकारी रखने लगा है। जिसके बाद अनीका ने अपने बेटे का नाम स्कूल से कटवा दिया और उसके साथ देश-दुनिया घूमने लगीं। अनीका के इस फैसले पर लोगों की राय काफी बंटी हुई मिली। कुछ ने इसे सीखने-सिखाने का नया तरीका तो किसी ने इसे बच्चे के करियर से खिलवाड़ बताया। बच्चे स्कूल के बाहर सीखते हैं 80% चीजें, यही है इनफॉर्मल एजुकेशन एजुकेशन काउंसिलर डॉ. प्रशांत चतुर्वेदी बताते हैं कि बच्चे अपने जीवन में 80% चीजें स्कूल के बाहर की गतिविधियों से सीखते हैं। इसे इनफॉर्मल एजुकेशन कहा जाता है। जबकि सिर्फ 20% जानकारी ही स्कूल-कॉलेज की फॉर्मल पढ़ाई से मिलती है। इनफॉर्मल एजुकेशन में घूमना, बच्चों के खेल, दादी-नानी की कहानियां जैसी स्कूल से बाहर की तमाम चीजें शामिल की जाती हैं। लेकिन लोग पूरा ध्यान सिर्फ 20% हिस्से पर देते हैं और 80% वाला पार्ट कमजोर रह जाता है। यही वजह है कि नामी स्कूलों में पढ़ने और परीक्षा में अधिक नंबर लाकर भी कुछ स्टूडेंट करियर में पीछे रह जाते हैं। जबकि स्कूलिंग के साथ इनफॉर्मल एजुकेशन में मजबूत बच्चे करियर में काफी आगे जाते हैं।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का ऐलान कब और कौन होगा कप्तान? ICC की डेडलाइन में बचे हैं बस इतने दिन

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इस सप्ताह के आखिरी में टीम इंडिया का ऐलान होना है। BGT में हार के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली की जगह को लेकर उठ रहे सवाल। हर कोई जानना चाहता है कि अगर रोहित शर्मा नहीं तो कप्तान कौन होगा?

नई दिल्लीः बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 खत्म होने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम का नया मिशन इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 और 3 मैचों की वनडे सीरीज है। टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया ने 1-3 से हराते हुए 10 साल बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम की तो इसके साथ ही कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे बड़े खिलाड़ियों के इंटरनेशनल टीम में रहने पर सवाल उठने लगे। इस बीच इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया का ऐलान होना है। **अगर रोहित शर्मा नहीं तो कौन कप्तान?** कहा तो यहां तक जा रहा है कि रोहित शर्मा की टेस्ट ही नहीं, वनडे कप्तानी भी खतरे में है। अगर ऐसा हुआ तो संभव है कि रोहित शर्मा टीम में भी न दिखाई दें, हालांकि यह सबसे मुश्किल फैसला है और संभव है कि ऐसा न हो। इस बीच रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अगर रोहित शर्मा उपलब्ध नहीं होते हैं या उन्हें हटाया जाता है तो हार्दिक पंड्या को वनडे टीम की कप्तानी मिल सकती है। हालांकि, देखा जाए तो जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर भी कप्तानी के लिए दावेदारों में शामिल हैं। खैर, इंग्लैंड ने न केवल भारत के खिलाफ सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है, बल्कि उसने अपनी चैंपियंस ट्रॉफी की टीम भी घोषित कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली सभी 8 टीमों को 12 जनवरी तक टीम घोषित कर देनी है। चर्चा यह भी है कि भारत 11 जनवरी को ही इस प्रमुख टूर्नामेंट के लिए अपनी अंतिम टीम की घोषणा कर सकता है। संभव है कि चीफ सिलेक्टर, कप्तान और कोच के बीच इस बारे में बात भी हुई हो, क्योंकि वे सभी ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज के दौरान एक साथ ही थे।

ये फैन नहीं, जाहिल हैं...! युजवेंद्र चहल की वाइफ धनश्री वर्मा को बुरा-भला बोल रहे लोग

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा है कि युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है और जल्द ही उनका तलाक हो सकता है।

टीम इंडिया से बाहर चल रहे युजवेंद्र चहल और उनकी वाइफ धनश्री वर्मा के तलाक की अफवाह सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल चुकी है। कहीं ना कहीं इस अफवाह में सच्चाई भी है क्योंकि इस कपल ने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। इसके अलावा युजवेंद्र और धनश्री ने अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक दूसरे की तस्वीरों को भी हटा लिया है। ऐसे में अब कुछ फैंस युजवेंद्र और धनश्री को लेकर कमेंट बॉक्स में काफी कुछ बुरा भला कह रहे हैं जो कही से भी सही नहीं माना जा सकता है। **सोशल मीडिया पर धनश्री को बोला जा रहा है बुरा-भाला** भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल को लेकर जब से ये खबर आई है कि उनकी वाइफ धनश्री वर्मा के साथ उनका तलाक होने वाला है, फैंस ने उन्हें निशाने पर ले लिया। धनश्री वर्मा के सोशल मीडिया पर हैंडल पर यूजर्स उन्हें खूब बुरा भला कह रहे हैं।

धनश्री वर्मा से की जा रही है बदतमीजी धनश्री वर्मा ने हाल ही में युजवेंद्र चहल को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया। इसके अलावा धनश्री ने युजी की तस्वीरें भी हटा ली। जैसे ही सोशल मीडिया पर युजवेंद्र और धनश्री की तलाक को लेकर खबर सामने फैंस उनके साथ बदतमीजी पर उतर आए हैं।

धनश्री और युजवेंद्र की तलाक की खबर ने पकड़ लिया जोर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो करने के साथ ही युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक की खबरें जोर पकड़ ली है। कुछ फैंस धनश्री वर्मा की तस्वीरों पर कमेंट कर उनसे पूछ रहे हैं कि वह युजवेंद्र से कब तलाक ले रही हैं। फैंस की इस हरकत को कहीं से भी सही हीं कहा जा सकता है।

धनश्री के लिए फैलाया जा रहा है सोशल मीडिया पर नफरत युजवेंद्र चहल से तलाक की खबरों के बीच कुछ फैंस धनश्री वर्मा के लिए नफरत फैला रहे हैं। धनश्री और युजवेंद्र चहल अगर एक-दूसरे अलग होते हैं तो यह उनका निजी फैसला होगा। ऐसे में धनश्री के खिलाफ सोशल मीडिया पर जिस तरह से मोर्चा खोला जा रहा है वह बिल्कुल गलत है। **धनश्री के प्रोफेशन पर उठाए जा रहे हैं सवाल** सोशल मीडिया पर कुछ फैंस इतने गिर चुके हैं कि धनश्री के प्रोफेशन पर सवाल उठा रहे हैं और उनके लिए भद्दे कमेंट कर रहे हैं। बता दें कि धनश्री वर्मा एक ट्रेंड कोरियोग्राफर और कंटेंट क्रिएटर हैं। वह कई सॉन्ग और टीवी शो में भी नजर आ चुकी हैं। ऐसे में उनके काम पर सवाल उठाना बिल्कुल भी सही नहीं है।

5 बल्लेबाज जो 100 से ज्यादा टेस्ट खेलकर भी नहीं लगा पाए दोहरा शतक, एक भारतीय धुरंधर भी लिस्ट में

अगर कोई खिलाड़ी 100 से ज्यादा टेस्ट खेलकर 15 से अधिक शतक लगाता है तो उम्मीद की जाती है कि दोहरा शतक भी लगाया ही होगा। हालांकि हर बल्लेबाज के साथ ऐसा नहीं होता है।

किसी खिलाड़ी के लिए टेस्ट टीम में जगह बनाना ही आसान नहीं होता। टीम में आने के बाद टिके रहने की भी चुनौती होती है। इन सब के बाद चंद ऐसे खिलाड़ी होते हैं जो 100 टेस्ट मैच खेल पाते हैं। कोई बल्लेबाज इतने मैच खेलता है तो रनों का अंबार भी लगा देता है। हालांकि कुछ का किस्मत साथ नहीं देती और 100 से ज्यादा मैच खेलने के बाद भी वह दोहरा शतक नहीं लगा पा। हम आपको आज ऐसे ही 5 बल्लेबाजों के बारे में बताएंगे, जो 100 से ज्यादा टेस्ट खेलने के बाद भी दोहरा शतक नहीं लगा पाए।

एलेक स्टीवर्ट- इंग्लैंड *इंग्लैंड एलेक स्टीवर्ट दोहरा शतक के बिना टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। 133 टेस्ट में उनके नाम करीब 40 की औसत से 8463 रन हैं। उनके बल्ले से 15 शतक निकले हैं। 2003 में आखिरी टेस्ट खेलने वाले स्टीवर्ट की सबसे बड़ी पारी 190 रनों की रही।*

मार्क वॉ- ऑस्ट्रेलिया *मार्क वॉ को ऑस्ट्रेलिया के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में गिना जाता है। वनडे और टेस्ट दोनों में उनका रिकॉर्ड शानदार है। 128 टेस्ट में उन्होंने 42 की औसत से 8029 रन बनाए। इसमें 20 शतक हैं लेकिन सबसे बड़ी पारी 153 रनों की ही रही।*

डेसमंड हेन्स- वेस्टइंडीज *80 के दशक में वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स की तूती बोलती थी। वह संन्यास के समय वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज थे। टेस्ट में भी 116 मैच में 42 की औसत से 7487 रन बनाए। 18 शतक भी ठोके लेकिन सबसे बड़ी पारी 184 रनों की रही।*

रोहित शर्मा की वाइफ को मैसेज करते हुए रविचंद्रन अश्विन से हुआ ब्लंडर, फौरन करना पड़ा डिलीट

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहते हैं। हाल ही में अश्विन टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा की वाइफ रितिका सजदेह को मैसेज करते हुए एक ब्लंडर कर बैठे, जिसके कारण उन्हें तुरंत मैसेज को डिलीट करना पड़ा गया।

नई दिल्लीः भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहते हैं। अश्विन अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर मुखरता के साथ अपने विचार को रखते हैं। अश्विन ने हाल ही में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा कर सबको चौंका दिया। ऐसे में एक बार फिर अश्विन चर्चा में आ गए हैं। इस बार चर्चा का विषय बना है रविचंद्रन अश्विन का एक ट्वीट जो उन्होंने रोहित शर्मा की वाइफ रितिका सजदेह के लिए किया था, लेकिन उन्हें तुरंत डिलीट करना पड़ गया। दरअसल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स यूजर @Nishitha018 टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा की वाइफ रितिका सजदेह के नाम सेअकाउंट था। उसमें रितिका के नाम अलावा प्रोफाइल में उनकी फोटो भी थी। यह रितिका का फेक एक्स अकाउंट था, लेकिन अश्विन से जल्दबाजी में भूल हो गई।

फेक अकाउंट पर अश्विन ने किया रिप्लाई रितिका सजदेह के इस फेक अकाउंट भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के बारे में एक पोस्ट किया गया। इस पोस्ट में लिखा था कि, 'ऑस्ट्रेलिया को लगा था कि वे हमारा क्लीन स्वीप करेंगे।' इसी पोस्ट पर अश्विन ने रिप्लाई करते हुए लिखा, रितिका आप कैसी हो और लिटिल वन कैसा है।' अश्विन का यह पोस्ट तुरंत वायर होने लगा।

इसके बाद जैसे ही अश्विन को पता चला की उन्होंने रितिका के फेक अकाउंट पर रिप्लाई कर दिया उन्होंने तुरंत अपने पोस्ट डिलीट किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी। अश्विन के इस पोस्ट का स्क्रीन शॉट फौरन वायरल हो गया। ऐसा पहली बार नहीं है जब अश्विन ने गलती से किसी के फेक अकाउंट पर रिप्लाई किया है। पहले भी उनसे ऐसी भूल हो चुकी है। **आईपीएल में धूम मचाएंगे अश्विन** बता दें कि अश्विन ने भले ही ऑस्ट्रेलिया के बीच में संन्यास का फैसला कर पूरी दुनिया को चौका दिया था, लेकिन वह इसी साल इंडियन प्रीमियर लीग में एक्शन में नजर आने वाले है। आईपीएल 2025 में अश्विन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलेंगे। पिछले सीजन में वह राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा थे, लेकिन फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिटेन नहीं किया।

भारतीय क्रिकेट की रीढ़ में 'कैंसर' है! उसे लगाने वाले ही कर रहे इलाज की मांग

इंडियन क्रिकेटर

भारतीय क्रिकेट में डोमेस्टिक क्रिकेट से आईपीएल के प्रति बदलते रुझान पर चर्चा है। विराट कोहली और रोहित शर्मा के रणजी ट्रॉफी नहीं खेलने पर सवाल उठता है। सुनील गावस्कर ने डोमेस्टिक क्रिकेट पर जोर देने की बात कही है। आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन टीम इंडिया में डेब्यू करा सकता है, जबकि घरेलू क्रिकेट महत्वहीन हो गया है।

नई दिल्लीः एक वक्त था जब भारत खेलने के लिए खिलाड़ियों को डोमेस्टिक क्रिकेट की अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ता था। उसमें जलकर-झुलसकर कुंदन बनते थे। उनका क्रिकेट कौशल मजबूत होता था। मैच्योरिटी का लेवल अलग होता था। अमोल मजूमदार इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण हैं। उनके नाम 171 फर्स्ट क्लास मैचों में 30 शतक और 60 अर्धशतक हैं और उन्होंने 11167 रन बनाए, लेकिन भारत खेलने का मौका नहीं मिला। आप कह सकते हैं कि यह उनका दुर्भाग्य है, लेकिन एक मामले में यह भारतीय क्रिकेटीयर ढांचे और उसमें जबरदस्त कॉम्पिटिशन को भी दर्शाता है। यही वजह है कि अपने बेसिक्स को बनाए रखने के लिए महान सचिन तेंदुलकर रिटायरमेंट तक डोमेस्टिक खेलते रहे।

खैर, समय बदला और जमाना आया आईपीएल का। सालभर में दो महीने में भरपूर कमाई और उसके दम पर भारत खेलने का मौका मिलने लगा। इस टूर्नामेंट से इंटरनेशनल खिलाने की वकालत करने वालों में महान सुनील गावस्कर, कपिल देव जैसे खिलाड़ी सबसे आगे रहे। जब टीम इंडिया में मौका मिलने का आधार आईपीएल बना तो खिलाड़ी डोमेस्टिक क्रिकेट से दूर हो गए। भारतीय क्रिकेट में पिछले कुछ सालों में एक नई चलन देखने को मिली है। इंटरनेशनल क्रिकेट में जगह पक्की करने के बाद हर खिलाड़ी का एक पैटर्न है। यही वजह है कि वह घरेलू क्रिकेट को नजरअंदाज करना शुरू कर देता है। शुभमन गिल जैसे युवा बल्लेबाज ने 2022 के बाद कोई रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेला है।

हर सीरीज हार के बाद उठता है मामला तेज गेंदबाजों का तो चोटिल होने का खतरा रहता हैं लेकिन बल्लेबाज क्यों घरेलू मैच खेलने का मौका छोड़ते हैं। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी हार चुकी है। 5 मैचों की सीरीज में टीम इंडिया सिर्फ एक मैच जीत पाए। एक मैच में बारिश ने बचा लिया तो 3 में हार झेलनी पड़ी। उससे पहले न्यूजीलैंड सीरीज में भी टीम को हार मिली थी। हर हार के बाद टेस्ट प्लेयर्स के घरेलू क्रिकेट में खेलने को लेकर सवाल उठता है।

आखिर रोहित शर्मा को क्यों देना पड़ा इंटरव्यू, संजय मांजरेकर ने खोल दी गौतम गंभीर की पोल, समझिए कैसे

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा बहुत ही खराब रहा। रोहित तीन टेस्ट मैच में मैदान पर उतरे जिसमें वह सिर्फ 31 रन बना पाए। इसके कारण उन्हें सिडनी टेस्ट मैच से भी ड्रॉप कर दिया गया है। ऐसे में अब रोहित को लेकर संजय मांजरेकर ने हैरान करने वाली बात कही है।

नई दिल्लीः भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के लिए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 बहुत ही खराब रहा। रोहित शर्मा इस सीरीज में कुल तीन टेस्ट मैच में मैदान पर उतरे, जिसमें वह सिर्फ 31 रन बना सके। खराब फॉर्म के कारण रोहित शर्मा सिडनी टेस्ट मैच में नहीं खेले। आखिरी टेस्ट मैच से बाहर किए जाने के बाद कप्तान रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेटर के रूप में भविष्य भी अधर में लटक गया। कई रिपोर्टों में यह दावा किया गया था कि रोहित शर्मा भविष्य के लिए अब चयनकर्ता की प्लानिंग में नहीं है। हालांकि, रोहित शर्मा ने सिडनी टेस्ट मैच के दूसरे दिन ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स को एक ऐसा इंटरव्यू दिया, जिसके बाद सनसनी मच गई। इस इंटरव्यू ने रोहित ने साफ तौर से कह दिया कि वह फिलहाल टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं ले रहे हैं और उन्होंने खराब फॉर्म के कारण खुद ही ये फैसला लिया था कि सिडनी टेस्ट मैच में वह नहीं खेलेंगे। ऐसे में अब भारत पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने हैरान करने वाली बात कही है।

संजय मांजरेकर ने बताया रोहित के इंटरव्यू का कारण रोहित शर्मा ने अपने इंटरव्यू में कहा था कि उन्होंने टीम हित के लिए खुद को सिडनी टेस्ट से बाहर किया है। रोहित के इस बयान पर अब संजय मांजरेकर का मानना है कि सिडनी टेस्ट से रोहित के बाहर होने का पूरा क्रेडिट मुख्य कोच गौतम गंभीर को जा रहा था। इसलिए रोहित शर्मा को मैच के बीच में इंटरव्यू देना पड़ा। संजय मांजरेकर ने कहा,'रोहित को इंटरव्यू देने की जरूरत क्यों पड़ी, इसलिए की वह स्थिति साफ करें कि आखिर क्या चल रहा है। मुझे ये भी लगता है कि कहीं न कहीं गंभीर रोहित शर्मा को बाहर करके एक ब्रेव कॉल का पूरा श्रेय ले रहे थे।'

साउथ अफ्रीका-पाकिस्तान के बीच दूसरे टेस्ट में भारी बवाल, वियान मुल्डर पर बौखला गए बाबर आजम

पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट मैच केप टाउन में खेला जा रहा है। मुकाबले में मेजबान साउथ अफ्रीका की टीम ने अपना शिकंजा कसा हुआ है। हालांकि, पाकिस्तान की तरफ से पूर्व कप्तान बाबर आजम ने बल्लेबाजी जरूर प्रभावित किया, लेकिन इस दौरान उनकी वियान मुल्डर से लड़ाई भी हो गई।

केपटाउनः पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम के लिए नए साल की शानदार शुरुआत हुई। खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर आजम ने दमदार वापसी करके दिखाया है। साउथ अफ्रीका दौरे पर बाबर आजम के बल्ले से लंबे समय बाद रन निकले हैं। हालांकि, इसके बावजूद पाकिस्तान की टीम दूसरे टेस्ट मैच में मुश्किल में दिख रही है। बाबर आजम ने दूसरी पारी में टीम के लिए शानदार 81 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 127 गेंद का सामना कर 10 चौके भी लगाए। हालांकि, इस दौरान साउथ अफ्रीकी गेंदबाज वियान मुल्डर के साथ उनकी लड़ाई भी हो गई। वियान मुल्डर के साथ हुई इस झड़प के कारण बाबर आजम का ध्यान भंग हुआ और वह अपने शतक से चूक गए। वियान मुल्डर के साथ जब बाबर आजम की लड़ाई हुई तो वह 58 रन बनाकर खेल रहे थे। शान मसूद के साथ पाकिस्तान के लिए शानदार शुरुआत करने वाले बाबर आजम की बैटिंग से वियान मुल्डर झल्ला गए थे। इसी दौरान मुल्डर अपनी गेंदबाजी के फॉलो थ्रू में गेंद को उठाकर बाबर को मार दिया।

अंपायर ने सुलझाया बाबर और मुल्डर का मामला बाबर को जब मुल्डर ने गेंद मारी तो वह बौखला गए। बाबर चोट से कराह गए थे। इस दौरान दोनों के बीच कुछ कहा सुनी भी हुई और बाबर

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0536 एवं 1272 लालगुटवा रातू रोड पुलिस स्टेशन रांची में विजय जनरल स्टोर किनू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फ़ोन नं .651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670